हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 344 | बेमेतरा, गुरुवार 31 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

छत्तीसगढ़ में ईडी की रेड

650 करोड़ के सीजीएमएससी घोटाले से जुड़ा कनेक्शन...

रायपुर/ संवाददाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित तौर पर 500 करोड़ रुपये से ज्यादा के चिकित्सा आपूर्ति घोटाले की धन शोधन जांच के तहत बुधवार को छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह कथित घोटाला राज्य में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान का है। सूत्रों ने बताया कि रायपुर, दुर्ग, भिलाई और आसपास के इलाकों में कुछ सरकारी अधिकारियों, चिकित्सकीय सामान के आपूर्तिकताओं और एजेंट के अलावा कुछ बिचौलियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी की जांच अप्रैल में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू) द्वारा छह व्यक्तियों के खिलाफ दाखिल आरोप पत्र से संबंधित है जिसमें 2023 में चिकित्सा उपकरणों और रासायनिक रसायनों की खरीद में कथित अनियमितताओं से राज्य के खजाने को 550 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचने का आरोप लगाया गया है। एसीबी/ईओडब्ल्यू ने 22 जनवरी को रायपुर स्थित राज्य सरकार द्वारा

संचालित छत्तीसगढ़ मेडिकल सिर्वसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससीएल) और स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के अधिकारियों के साथ-साथ चार कंपनियों मोक्षित कॉर्पोरेशन (दुर्ग), सीबी कॉर्पोरेशन (दुर्ग), रिकॉर्ड्स एंड मेडिकेयर सिस्टम एचएसआईआईडीसी (पंचकुला, हरियाणा) और श्री शारदा इंडस्ट्रीज (रायपुर) के खिलाफ मामला दर्ज किया था। ऐसा आरोप है कि इस घोटाले में स्वास्थ्य केंद्रों में इन वस्तुओं की आवश्यकता उपलब्धता की जांच किए बिना रासायनिक रसायनों और उपकरणों की खरीद की गयी। एसीबी ईओडब्ल्यू ने कहा था कि सीजीएमएससीएल ने मोक्षित कॉर्पोरेशन और उसकी मुखौटा कंपनी के साथ मिलीभगत करके जनवरी 2022 से 31 अक्टूबर 2023 के बीच अरबों रुपये की खरीदारी की है। एसीबी ईपीडब्ल्यू के 18,000 पृष्ठों के आरोप पत्र में मोक्षित कॉर्पोरेशन के निदेशक शशांक चोपड़ा, बसंत कुमार कौशिक, छिरोद रौतिया, कमलकांत पाटनवार, डॉ अनिल परसाई और दीपक कुमार बंधे का नाम था, जो कथित घोटाले के वक्त सीजीएमएससीएल में तैनात थे।

छत्तीसगढ़ के राजकोष को किया खाली

कांग्रेस शासनकाल में स्वास्थ्य विभाग के सीजीएमएससी ने मोक्षित कॉरपोरेशन के माध्यम से छत्तीसगढ़ की राजकोष को खाली किया गया था। इस पूरे मामले को लेकर भारतीय लेखा एंव लेखा परीक्षा विभाग के प्रिंसिपल अकाउंटेंट जनरल (ऑडिट) आईएएस यशवंत कुमार ने एडिशनल चीफ सेक्रेटरी मनोज कुमार पिंगआ को पत्र लिखा था। रीएजेंट और उपकरणों की खरीदी में भारी भ्रष्टाचार किया गया। बाजार दर से कई गुना ज्यादा में खरीदी कर राजकोष खाली किया।

दो साल के ऑडिट में खुली गड़बड़ी की पोल

लेखा परीक्षा की टीम की ओर से सीजीएमएससी की सप्लाई दवा और उपकरण को लेकर वित्त वर्ष 2022-24 और 2023-24 के दस्तावेज को खंगाला गया तो कंपनी ने बिना बजट आवंटन के 660 करोड़ रुपये की खरीदी की थी, जिसे ऑडिट टीम ने पकड़ लिया था। ऑडिट में पाया गया है कि पिछले दो सालों में आवश्यकता से ज्यादा खरीदे केमिकल और उपकरण को खपाने के चक्कर में नियम कानून को भी दरकिनार किया गया। जहां जरूरत नहीं थी वहां उपकरण भेजे गए।

पहला कॉलम

श्रीनगर में मारे गए पहलगाम हमले के तीनों आतंकियों की पहचान हुई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सोमवार को ऑपरेशन महादेव में मारे गए पहलगाम हमले के तीनों आतंकियों की पहचान हो गई है। मारे गए आतंकियों की पहचान उनको शरण देने वाले आरोपियों ने की है, जो इस समय राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की गिरफ्त में हैं। एनआईए अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों को कोट लखपत जेल ले जाने से पहले मुठभेड़ स्थल पर ले जाया गया और पुष्टि कराई गई थी। आरोपियों ने आतंकियों को अस्थायी शरण दी थी। मृतकों में एक सुलेमान शाह उर्फ हाशिम मूसा है, जो पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड था। उसकी पहचान कल ही हो गई थी। दूसरे आतंकी की पहचान जिबरान के रूप में हुई है, जबकि तीसरा आतंकी हमजा अफगानी है। तीनों में एक का असली नाम हुबैब ताहिर है, जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के खैगाला का निवासी है।

वक्फ बोर्ड ने अवैध कब्जेदार के खिलाफ उठाया कदम, 27 करोड़ रुपये का वसूली नोटिस भेजा

भोपाल। मध्य प्रदेश के वक्फ बोर्ड ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने वाले को 28.18 करोड़ रुपये का वसूली का नोटिस जारी किया है। इदारा यतीम खाना के प्रबंधक शाहिद अली खान को भेजा गया यह नोटिस, वक्फ इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा वसूली नोटिस बताया जा रहा है। खान पर वक्फ नियमों का उल्लंघन करने और झूठा दावा कर वक्फ संपत्ति को अपना बताने और उसे किराये पर देने का आरोप है।मध्य प्रदेश में नवाब शाहजहां बेगम ने 138 साल पहले वक्फ संपत्ति दान की थी। इसका उपयोग भोपाल की संस्था दार उल शफ्कत शाहजहांनी ने निजी तौर पर किया। आरोप है कि आरोपी ने 21 साल से बिना अनुमति इज्तिमा बाजरा लगाया और 200 दुकानों से 24.85 करोड़ रुपये अवैध कमाई की, जिसका कोई लेखा-जोखा नहीं। इसके अलावा 9 साल के लिए जीवनरेखा अस्पताल को 1.80 लाख में किराए पर दे दिया।

शशि थरूर के बाद सांसद मनीष तिवारी भी कांग्रेस से नाराज, इशारों में दिया संदेश

नईदिल्ली। संसद के मानसून सत्र में विपक्ष सरकार को ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर घेरने की कोशिश कर रही है, वहीं कांग्रेस के 2 सांसद इससे अलग-थलग दिख रहे हैं। लोकसभा में हो रही बहस में तिरूवनन्तपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर और आनंदपुर साहिब से सांसद मनीष तिवारी को शामिल न करने पर तिवारी ने इशारों-इशारों में आपत्ति जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खबर का स्क्रीनशॉट लिखकर फिल्म के गीत की पंक्ति लिखी है। तिवारी ने एक्स पर जिस खबर का स्क्रीनशॉट साझा किया है, उसमें शीर्षक है, सरकार के पक्ष में बोले- ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान कांग्रेस ने शशि थरूर और मनीष तिवारी को क्यों बाहर बैठाया?

राज्यसभा में बोले जेपी नड्डा

इधर हमले होते रहे और यूपीए सरकार बिरयानी खिलाती रही

नई दिल्ली/ एजेंसी

जेपी नड्डा ने राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान विपक्ष पर निशाना साधा और यूपीए शासन के काले दौर का जिक्र करते हुए पिछली कांग्रेस नीत सरकार के दौरान हुए आतंकी हमलों को याद किया। जेपी नड्डा ने कहा कि पहलगाम हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी विदेश यात्रा बीच में ही रोक दी और सुरक्षा स्थिति तथा अगले नियोजित कदमों का जायजा लेने के लिए रातोंरात भारत लौट आए। यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि 2005 में दिवाली से ठीक पहले लश्कर-ए-तैयबा ने दिल्ली में सीरियल बम ब्लास्ट किया। 67 लोग मारे गए, 200 से अधिक घायल हुए। कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। 2006 में वाराणसी के संकटमोचन मंदिर में हरकत-उल-जिहाद ने हमला किया। 28 लोग मारे गए, 100 लोग घायल हुए। कोई कार्रवाई नहीं की गई।। मुद्दा यह है कि तब भारत और पाकिस्तान के बीच आतंकवाद और व्यापार और पर्यटन जारी रहा। उन्होंने आगे कहा कि हमें उनकी (तत्कालीन कांग्रेस सरकार की) तुष्टिकरण की सीमा को समझने की जरूरत है कि 2008 में इंडियन मुजाहिद्दीन द्वारा जयपुर में किए गए बम विस्फोटों के बाद, भारत और पाकिस्तान एक विशिष्ट विश्वास-निर्माण उपायों पर सहमत हुए। वो हमें गोलियों से भूनते रहे और हम उनको बिरयानी खिलाने चले। उन्होंने नियंत्रण रेखा पार करने के लिए ट्रिपल-एंट्री परमिट की अनुमति दी। इंडियन मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा ने मिलकर मुंबई ट्रेन में बम ब्लास्ट किया। 209 लोग मारे गए, 700 से अधिक घायल हुए।इसके बाद एक संयुक्त आतंकवाद-रोधी तंत्र बनाया गया।

भारत ने फिर रचा इतिहास

इसरो-नासा का मिशन निसार लॉन्च,अंतरिक्ष से पृथ्वी की करेगा निगरानी

श्रीहरिकोटा/ एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 30 जुलाई यानी आज निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) मिशन का प्रक्षेपण किया। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से बुधवार शाम 5:40 बजे निसार को जीएसएलवी-एस16 रॉकेट के जरिये लॉन्च किया गया। यह ऐसा मिशन है, जिसमें पहली बार किसी जीएसएलवी रॉकेट के जरिये ऐसे उपग्रह को सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट (सूर्य-स्थिर कक्ष) में स्थापित किया जाएगा। जीएसएलवी रॉकेट ने लगभग 19 मिनट की यात्रा के बाद उपग्रह को 745 किलोमीटर की ऊंचाई पर सूर्य तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित किया। सूर्य तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा (सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट) वह होती है, जिसमें उपग्रह पृथ्वी के ध्रुवों के ऊपर से गुजरता है और हर बार जब वह एक विशेष स्थान से गुजरता है तो सूरज की रोशनी की स्थिति एक जैसी रहती है। इसरो के पूर्व वैज्ञानिक राधाकृष्ण कवुलुरु ने मिशन के बारे में बताया कि इसमें नासा ने निसार के लिए एल-बैंड उपलब्ध कराया है जबकि इसरो ने इसके लिए एस-बैंड उपलब्ध कराया है। इससे बड़ी मात्रा में डाटा एकत्र करना संभव हो पाएगा। यह उपग्रह अंटार्कटिका, उत्तरी ध्रुव और महासागरों सहित पृथ्वी से संबंधित व्यापक डाटा प्रसारित करेगा। कवलुरु ने बताया कि निसार पूरी से डाटा एकत्र करेगा।

दो बैंड पर काम करता है यह उपग्रह

जीएसएलवी-एफ18 इस उपग्रह को 743 किलोमीटर ऊंचे सन-साइक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित करेगा। जिसका झुकाव 98.40 डिग्री होगा। निसार धरती की निगरानी करने वाला दुनिया का पहला उपग्रह है। इसमें दो अलग अलग बैंड (नासा का रु-बैंड और इसरो का स्-बैंड वाले) के रडार हैं। जिसके कारण वह घने जंगलों के नीचे से भी डाटा एकत्र करने में सक्षम होगा। इसरो प्रमुख ने बताया कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपग्रह है। इसके दो प्रमुख पेलोड हैं: एक एस-बैंड पेलोड है। जिसे इसरो ने पूरी तरह से अहमदाबाद की लैब में विकसित किया है और दूसरा- जेपीएल अमेरिका द्वारा विकसित एल-बैंड पेलोड।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बिहार एसआईआर में बड़े पैमाने पर बहिष्कार हुआ तो हस्तक्षेप करेंगे

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने की संभावना पर विशेष टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि अगर मसौदा सूची में बड़े पैमाने पर बहिष्कार होगा तो कोर्ट हस्तक्षेप करेगा। पीठ ने बिहार एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 12 अगस्त और 13 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

सड़क की खबर दिखाने पर हुई थी पत्रकार मुकेश की हत्या

बीजापुर से पीडब्ल्यूडी के पांच अफसर गिरफ्तार निर्माण में भ्रष्टाचार पर पुलिस का बड़ा एक्शन...

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में जिस सड़क निर्माण में गड़बड़ी की खबर दिखाए जाने पर पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या कर दी गई थी। उसी गड़बड़ी पर बुधवार को पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। गंगालूर-मिरतुल सड़क निर्माण की गड़बड़ी में शामिल लोक निर्माण विभाग के 5 बड़े अफ्सरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पत्रकार की हत्या के बाद जांच के लिए प्रशासन ने एसआईटी का गठन किया था और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

एएसपी चंद्रकांत गवर्ना ने बताया कि लोक निर्माण विभाग के 5 अफ्सरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए अफ्सरों में 2 रिटायर्ड ईई, एसडीओ और सब इंजीनियर शामिल हैं। गिरफ्तार अफ्सरों को 2 दिन के रिमांड में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या गंगालूर-मिरतुल सड़क में भ्रष्टाचार की खबर को दिखाए जाने के बाद हुई थी। मुकेश ने ठेकेदार के भ्रष्टाचार को उजागर किया था। हत्याकांड के बाद डिप्टी सीएम और लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के निर्देश पर दो अधिकारियों के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज हुई थी। जिन पर अपराध दर्ज किया गया था, उसमें बीजापुर लोक निर्माण विभाग के तत्कालीन कार्यपालन अभियंता बीएल ध्रुव, अनुविभागीय अधिकारी आरके सिन्हा, उप अभियंता जीएस कोडोपी समेत कई अन्य अधिकारियों के नाम शामिल हैं।

मंडी में भारी बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ के बाद मलबे में दबे वाहनों के पास से गुजरते लोग।

सिंदूर तो उजड़ गया...

फिर ऑपरेशन का नाम सिंदूर क्यों-जया बच्चन

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर के नाम को लेकर सरकार पर सवाल उठाया और कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में जिन महिलाओं के पति मारे गए थे, उनके माथे से सिंदूर मिटा दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान राज्यसभा में बच्चन ने कहा, मुझे आपको (सत्तारूढ़ पार्टी को) ऐसे लेखकों को नियुक्त करने के लिए बधाई देनी चाहिए जो इतने भव्य नाम देते हैं। लेकिन आपने इसका नाम 'सिंदूर' क्यों रखा? जिन महिलाओं के पति मारे गए थे, उनके माथे से सिंदूर मिटा दिया गया है।

छत्तीसगढ़ कैबिनेट की बैठक संपन्न

नवा रायपुर में क्रिकेट अकादमी की स्थापना को मिली मंजूरी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक मंत्रालय में हुई। सभी मंत्रियों की मौजूदगी में सरकार ने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। नवा रायपुर के परसदा में क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए एकेडमी बनाया जाएगा। इसकी स्थापना के लिए 7.96 एकड़ भूमि आबंटित किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। कैबिनेट बैठक में और क्या निर्णय हुए जानिए मंत्रिपरिषद द्वारा भारत सरकार के खान मंत्रालय के नवीन दिशा-निर्देश और प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना -2024 के संशोधित गाईडलाईन्स के अनुसार छत्तीसगढ़ जिला खनिज संस्थान न्यास नियम, 2015 में आवश्यक संशोधन किये जाने का निर्णय लिया गया है। इससे न्यास के पास उपलब्ध राशि का न्यूनतम 70 प्रतिशत राशि का व्यय उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र जैसे पेयजल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल कल्याण, वृद्ध एवं नि:शक्तजन के कल्याण के साथ ही कौशल विकास एवं रोजगार, स्वच्छता, आवास, पशुपालन के समग्र विकास पर किया जाएगा। मंत्रिपरिषद द्वारा साधारण रेत के उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण तथा रेत के उत्खनन एवं नियमन में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण

रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम 2019 एवं छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत उत्खनन एवं व्यवसाय (अनुसूचित क्षेत्र हेतु) नियम 2023 को निरसित करते हुए नवीन नियम ''छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम-2025'' का अनुमोदन किया गया। इससे रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे, जिससे आम जनता को उचित दरों पर रेत उपलब्ध हो सकेगी। साथ ही रेत उत्खनन में पर्यावरण और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। प्रस्तावित नियमों में रेत खदान आवंटन की कार्यवाही इलेक्ट्रॉनिक नीलामी के माध्यम से की जाएगी। इससे राजस्व में भी वृद्धि होगी। कृषि भूमि के बाजार मूल्य दरों के निर्धारण के संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य कर पंजीयन विभाग से प्राप्त प्रस्ताव का मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदन किया गया, जिसके तहत ग्रामीण कृषि भूमि के बाजार मूल्य की गणना के लिए 500 वर्गमीटर तक के भू-खण्ड की दर को समाप्त करते हुए सम्पूर्ण रकबा की गणना हेक्टेयर दर से की जाएगी।

छत्तीसगढ़ रसोईया संघ द्वारा 3 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

- शासन को दिया 15 अगस्त तक का अल्टीमेटम, अबकी बार आर पार की लड़ाई होकर रहेगी - हेमंत नाग अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मध्यान भोजन रसोईया संघ

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ रसोईया संघ द्वारा 3 सूत्रीय मांगों को लेकर दंतेवाड़ा के दुर्गा मंच के धरना स्थल पर पिछले 03 दिनों से धरने में बैठा ,,रसोईया संघ मुख्य रूप से मानदेय वृद्धि की मांग शामिल है। रसोईयों का कहना है वे 300 रुपए से काम करना शुरू किए थे और वर्तमान में उन्हें 2000 रुपये मासिक मानदेय मिलता है, जो की जीवन यापन के अनुसार से बहुत ही कम है। छत्तीसगढ़ रसोइया संघ आज अपनी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर दुर्गा मंच के धरना स्थल पर धरना प्रदर्शन कर रहा है।धरने में बैठे ये रसोईयो की माने तो ये लोग जब रसोईया का काम शुरू किए थे तब इन्हें इनका मानदेय 300 रुपए महीने का मिलता था आज इतने साल बीतने के बाद आज इन्हें 2000 रुपए मिल रहा है जो कि घर परिवार चलाने के लिए नाकाफी है,,साथ ही इनका आरोप है कि भाजपा सरकार ने चुनाव के दौरान घोषणापत्र में भी इन्हें लेकर वादे किए थे पर वे वादे आज भी वादे रह गए,,हालांकि इनका कहना है अगर इनकी मांगे पूरी नही होती तो आगे और भी उग्र प्रदर्शन करेंगे। प्रमुख मांगे कलेक्टर दर पर मानदेय रसोइयों को वर्तमान में मिलने वाले मानदेय में वृद्धि करना और उन्हें कलेक्टर दर पर मानदेय देना। नियमितीकरण रसोइयों को नियमित कर्मचारी के रूप में मान्यता देना। मानदेय वृद्धि रसोइयों के मानदेय में वृद्धि करना ताकि वे अपने जीवन यापन को बेहतर बना सकें। रसोईया संघ ने सरकार से मांग की है कि उनकी मांगे को पूरी की जाए। यदि मांगें पूरी नहीं होती हैं तो रसोइया संघ आगे योजनाबद्ध तरीके से आंदोलन जारी रखेगा। आज दुर्गा मंडप से सैकड़ो की संख्या में रैली निकालकर जिला कार्यालय दंतेवाड़ा पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सोपा ज्ञापन और कहां की हम शासन को 15 अगस्त तक का समय देते हैं उसके बाद हम आर पार की लड़ाई लड़ने को बाध्य होंगे।

नगर पंचायत बारसूर में सफाई अपनाओ- बीमारी भगाओ अभियान की हुई शुरुआत

दंतेवाड़ा । नगर पंचायत बारसूर द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार स्वच्छ भारत मिशन के तहत मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने नागरिकों को जल जनित एवं वेक्टर जनित बीमारियों के रोकथाम हेतु स्वच्छता को एक सचेत प्रबुद्ध एवं प्रभावी विकल्प के रूप में चयन करने हेतु अनुरोध करते हुए कहा है कि डेंगु, मलेरिया,

चिकनगुनिया आदि बीमारियों के रोकथाम हेतु स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए समस्त नागरिक स्वैच्छिक प्रयास कर सकते है। जैसे घर के आस-पास पानी जमा होने न देना, घर के नालियों की सफाई, पुराने टायर, प्लास्टिक के कप, बोतलों, कबाड़, कूलर, में पानी के एकत्रण, न होने देने, घर की पानी टंकी को अच्छी तरह से ढकना इत्यादि प्रयास किया जा सकता है। इसके साथ ही मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने आम नागरिकों से अपील की है कि, खुले स्थानों, सार्वजनिक स्थानों पर एवं नालियों में कचरा न फेक कर, दैनिक अपशिष्ट संग्रहण करने वाले स्वच्छता दीदीयों को ही गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग करके देवें, साथ ही खुले में शौच न करके, शौचालय का उपयोग करें।

मत्स्य सहकारी समितियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला क़ा आयोजन

बलौदाबाजार /मूक पत्रिका

कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में सहकारिता विभाग एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित बलौदाबाजार-भाटापारा के तत्वाधान में मंगलवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के 116 पंजीकृत मत्स्य सहकारी समिति शामिल हुए। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में उप आयुक्त उमेश कुमार गुप्ता द्वारा सहकारी समितियों की पंजीयन, कार्यप्रणाली, निर्वाचन एवं समिति के सदस्यों आपसी समन्वय से नियमित रूप से समिति सदस्यों की बैठक आयोजित करने, आय-व्यय की जानकारी सभी सदस्यों को साझा करने संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई तथा विभाग से संपर्क कर शासन की योजनाओं का लाभ समिति के सदस्यों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। नोडल अधिकारी जी.एन. साहू, ने सहकारी बैंक के माध्यम से मत्स्य सहकारी

समितियों को बैंक की योजनाओ के तहत 3 लाख रुपये तक ब्याज मुक्त अल्पकालीन ऋण तथा मध्यमकालीन ऋण प्राप्त कर अपने कार्य व्यवसाय मे वृध्दि करने की जानकारी दी गई। इसी तरह मत्स्य पालन विभाग बी पी शर्मा के द्वारा विभाग में संचालित योजनाओ की संक्षिप्त जानकारी देते हुए सहकारी समिति के सदस्यों को निशुल्क 5 लाख तथा 2.5 लाख रुपये तक दुर्घटना बीमा तथा मत्स्य आदान सामग्री हेतु विभागीय अनुदान के रूप मे मछली बीज, जाल, बोट एवं आईसबॉक्स पुनतः निशुल्क प्रदाय करने की जानकारी, तालाब आबंटन के त्रिस्तरीय सरचना के बारे मव सदस्यों को अवगत कराया गया। मत्स्य पालन की नई प्रक्रिया एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा समय-समय पर किये जाने वाले प्रशिक्षण में भाग लेकर सदस्यों की आर्थिक क्षमता को मजबूत किया जा सकता है। मत्स्य कृषक सम्भू डहरिया के द्वारा सहकारी बैंक से निरतर विगत 2 वर्षो से मत्स्य पालन हेतु 3 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण मिलने पर पसन्नता व्यक्त करते हुए आर्थिक विकास करने की बात बताई गई।साथ ही समिति ससहा, पलारी, रोहांसी, दरचूरा, देवरी के मत्स्य सदस्यों द्वारा तालाब आबंटन पश्चात मछली पालन लाखों की आमदनी होने की बात कही। कार्यक्रम में प्राधिकृत अधिकारी डी.के.नेताम, एम.एस.कँवर एवं जिले के समस्त मत्स्य सहकारी समिति के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित रहे।

जनपद सदस्य पवन कर्मा ने फ़रसपाल में बालक, बालिका छात्रावास का किया निरीक्षण

जनपद सदस्य पवन कर्मा अपने जनपद चैत्र में प्रतिदिन गांव गांव जाकर लोगों की समस्याओं को कर रहे हैं दूर, शासन कि योजनाओं को आम जनता तक रहे हैं पहुंचा

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत फ़रसपाल में बीते बुधवार को अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान जनपद सदस्य पवन कर्मा फ़रसपाल में बालक एवं बालिका छात्रावास में निरीक्षण करने पहुंचे । जहां बच्चों से रूबरू हुए बच्चों से चर्चा किया गया है छात्रावास में क्या मिलता है छात्रावास में मीनू हिसाब से सब बनता है। बच्चों ने बताया कि मीनू हिसाब से ही बनता है और सब मिलता है साथ में बच्चों को उत्साह वर्धन भी किया गया।पवन कर्मा ने कहा कि पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ मनोरंजन भी करना है, पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी करना है ,पढ़ाई के साथ-साथ सामान्य ज्ञान की जानकारी भी रखना है। दंतेवाड़ा जिले के कलेक्टर साहब , विधायक जी , जिला पंचायत अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष सहित अन्य सभी प्रमुख अधिकारियों का नाम पता आप सभी को याद रहना चाहिए। आप सभी को अच्छे से पढ़ लिखकर हमारे गांव, छैत्र , विकासखंड और दंतेवाड़ा जिला सहित अपने माता पिता ,गुरुजन का नाम रौशन करना है। इस अवसर पर जनपद सदस्य एवं शिक्षा समिति सदस्य पवन कुमार कर्मा, संकुल प्रभारी,सहित ग्रामीण जन एवं आश्रम के शिक्षकगण एवं बालक बालिका उपस्थित रहे।

रिमझिम बारिश में निकली कलश यात्रा, तुलसीदास जयंती आज, गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर राज्य स्तरीय महोत्सव की हुई शुरुआत

तुलसीदास के कृतित्व पर होंगे विभिन्न प्रसंग

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर राज्य स्तरीय महोत्सव के पहले दिन दंतेवाड़ा नगर में कलश यात्रा निकाली गई। पावन ग्रंथ रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर पहली बार दंतेवाड़ा में यह राज्य स्तरीय आयोजन किया जा रहा है। श्री तुलसी मानस प्रतिष्ठान छत्तीसगढ़ द्वारा हर साल अलग-अलग जिलों को मेजबानी दी जाती है। इसी क्रम में इस बार दंतेवाड़ा में आयोजन का निर्णय लिया गया। आयोजन के ठीक एक दिन पूर्व नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। गायत्री मन्दिर से हनुमान मंदिर तक रिमझिम बारिश की फुहारों में भीगते हुए श्रद्धालु उत्साह से इसमें शामिल हुए। कलश यात्रा वापस कार्यक्रम स्थल मेंडका डोबरा मैदान पहुंची।

इस आयोजन में शामिल होने अन्य जिलों से भी मानसप्रेमी भक्तजन यहां पहुंचने लगे हैं। मुख्य कार्यक्रम आज-गुरुवार 31 जुलाई को सुबह 9 बजे से मेंडका डोबरा मंच पर राज्य के विभिन्न हिस्सों से आई चुनिंदा मानस मंडलियों द्वारा राम चरित मानस का पाठ किया जाएगा। साथ ही विद्वान टीकाकार गोस्वामी तुलसीदास के कृतित्व व श्री रामचरित मानस के महात्म्य पर व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी व वन मंत्री केदार कश्यप, विशिष्ट अतिथि स्थानीय विधायक चैतराम अटामी होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश देशमुख, प्रदेशाध्यक्ष श्री तुलसी मानस प्रतिष्ठान छत्तीसगढ़, करेंगे।

उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु 14 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

अनुविभागीय अधिकारी दंतेवाड़ा के द्वारा विकासखण्ड दन्तेवाड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत झिरका, मुस्केल, डेगलरास, कुन्देली, बासनपुर में शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन किए जाने हेतु दुकान आबंटन किया जाना प्रस्तावित हैं। उक्त संबंध में आवेदन प्रस्तुत करने हेतु अंतिम अवसर देते हुए दुकान संचालन हेतु इच्छुक एजेंसी यथा वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सरकारी समितियां, ग्राम पंचायत, महिला स्व-सहायता समूह, वन सुरक्षा समितियां,राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट, सार्वजनिक उपक्रम, अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियां एवं प्राथमिक कृषि शाख समितियां से विहित ''प्रारूप''में 14 अगस्त 2025 तक शाम 5 बजे कार्यालयीन दिवस एवं समय में एसडीएम दंतेवाड़ा के कार्यालय में आवेदन आमंत्रित किया गया है।

जिला जेल दंतेवाड़ा में परिरुद्ध बंदियों हेतु टी.बी, एड्स, एच.आई.व्ही. सिफलिस हेपेटाइटिस की जांच एवं उपचार हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिला जेल दंतेवाड़ा में विगत दिवस स्वास्थ्य विभाग दंतेवाड़ा द्वारा परिरूद्ध बंदियों में टीवी, एड्स, एच.आई.व्ही. सिफलिस हेपेटाइटिस रोगों की जांच परीक्षण एवं उपचार हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया था। उक्त स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकीय दल के सदस्यों डॉ. हितेश ठाकुर चिकित्सा अधिकारी खोमेश मौर्य, सूरज सिंह, सचिन मसीह, रविन्द्र कर्मा, संजय चौधरी फार्मासिस्ट एवं योगेश चंद्र जोशी द्वारा जेल में परिरूद्ध बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण टीबी, एड्स, एचआईवी, सिफलिस हेपेटाइटिस रोगों की जांच परीक्षण किया। शिविर में चिकित्सा अधिकारी द्वारा 54 बंदियों के सामान्य बीमारियों की जांच कर दवाई वितरित किया। इसके अलावा एच.आइ. व्ही एवं सिफलिस बीमारियों के जांच परीक्षण के तहत 100 बंदियों का जांच किया गया। इस अवसर जिला जेल अधीक्षक अलोइस कुजूर, सहायक जेल अधीक्षक मनीष कुमार दिवाकर, शिक्षक शिवनारायण देवांगन, प्रहरी संतोष कुमार पोर्ते एवं अन्य जेल कर्मचारी उपस्थित थे।

किरन्दुल पुलिस द्वारा चोरी के आरोपियों को किया गिरफ्तार

- लारसेन एंड टुब्रो कंपनी किरन्दुल में ट्रक से ब्लू कोटेड शीट 203 नग चोरी करने वाले 04 आरोपियों को किरन्दुल पुलिस ने किया गिरफ्तार,आरोपियों से 635796/- रू. का चोरी का सामान, घटना में प्रयुक्त ट्रक छ्त्र18 ॥ 1505 को किया बरामद

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

बीते मंगलवार को थाना किरन्दुल के लारसेन एंड टुब्रो कंपनी में सुबह लगभग 05:00 बजे चोरों द्वारा कंपनी परिसर में रखे 203 नग ब्लू कोटेड शीट जिसकी कीमत करीबन 635796/- रू. को ट्रक में भरकर चोरी करने की रिपोर्ट पर थाना किरन्दुल में अपराध क्रमांक 44/2025 धारा 303(2) 3(5) ब्हस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दन्तेवाडा गौरव राय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ऑप्स उदित पुष्कर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर के बर्मन के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस किरन्दुल कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन में निरीक्षक थाना प्रभारी संजय कुमार यादव द्वारा टीम गठित कर आरोपी विनोद यादव जो लारसेन एंड टुब्रो कंपनी के अंदर इलेक्ट्रिकल कन्ट्रेक्टर के अधीन काम करता है को पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर पुछताछ करते हुए चोरी में प्रयुक्त् ट्रक नं. छ्त्र18 ॥ 1505 व उसमें लोड ब्लू कोटेड शीट 203 नग को जप्त किया गया एवं अन्य आरोपीगण विश्वजीत राय, दीपक दुर्गा एवं संजय विश्वास सभी निवासी किरन्दुल के द्वारा उक्त घटना के पश्चात फरार हो गये थे जिन्हे टीम द्वारा सायबर सेल के मदद से पता तलाश कर बीते बुधवार को गिरफ्तार किया गया एवं न्यायिक रिमाण्ड हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस कार्यवाही में उप निरीक्षक गोल्डी भारद्वाज, सहायक उप निरीक्षक के. सीमाचलम व प्रआर किर्तन नेताम, आरक्षक देवलाल सिदार, मकसूदन मंडावी, सोना ताती, बंटी मरकाम, पदमनाथ एवं सायबर सेल टीम की मत्वपूर्ण भूमिका रही।

डिजिटल कोरबा की ओर बढ़ता हर कदम तकनीक से जुड़ता हर नागरिक

कोरबा। आज डिजिटल क्रांति की लहर न केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेज़ी से अपना प्रभाव जमा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व एवं सुशासन सरकार की दूरदर्शी नीतियों के परिणामस्वरूप जिले के ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों का शुभारंभ किया गया है, जिससे ग्रामीणों को डिजिटल सेवाओं का लाभ उनके अपने गांव में ही मिलने लगा है। पहले ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी एवं बैंकिंग सेवाओं के लिए शहरों और तहसीलों तक दूर-दूर जाना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती थी। वहीं, कई बार लंबी दूरी और अनजान प्रक्रियाओं के कारण जरूरी कार्य भी अधूरा रह जाता था। अब अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के माध्यम से ग्रामीण अपनी मूलभूत जरूरतों जैसे पीएम किसान योजना की पंजीकरण, एईपीएस ट्रांजैक्शन, फॉर्मर आईडी बनवाना, आयुष्मान भारत योजना के तहत कार्ड बनवाना व त्रुटि सुधार जैसे कार्य आसानी से अपने गांव में ही कर पा रहे हैं।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायतों में इन सुविधा केंद्रों के संचालन से ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। इन केंद्रों के माध्यम से न केवल सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से पहुंच रहा है, बल्कि डिजिटल साक्षरता भी गांव-गांव में बढ़ रही है। इससे ग्रामीण समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।कोरबा जिले के बेला ग्राम की वृद्धा घसनीन बाई का अनुभव इस बदलाव की सजीव मिसाल है। पहले उन्हें बैंक जाकर पैसे जमा या निकालने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे उनका समय और पैसा दोनों व्यर्थ होता था। अब घर के पास ही मंगल भवन में खुला डिजिटल सुविधा केंद्र उनकी मदद करता है। वह कहती हैं, ÷पहले बैंक जाने में जो समय और खर्चा लगता था, वह अब बच गया है। यहां काम सरल और सुविधाजनक है, और मुझे किसी को अतिरिक्त पैसे देने की भी जरूरत नहीं पड़ती।

इस पहल से ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं का लाभ सहजता से मिल पा रहा है, जो उनकी जीवनशैली में सुधार ला रहा है। साथ ही, युवा वर्ग भी डिजिटल सेवाओं के प्रति जागरूक होकर नवाचार और तकनीक से जुड़ने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। यह डिजिटल समावेशन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रहा है।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की दूरदर्शी सोच और नेतृत्व के तहत यह पहल देश के विकास की दिशा में एक अहम कड़ी साबित हो रही है। डिजिटल इंडिया के आदर्श को साकार करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाना और जनता को बेहतर सेवा देना सरकार की प्राथमिकता है।

स्लरी पाइपलाइन के गड्ढे में गिरने से मासूम बच्चे की मौत, दोषियों को कड़ी सजा दिलाने का सुलोचना ने दिया भरोसा

स्लरी पाइपलाइन मुद्दे में बिल्कुल भी दोषियों को बख्शा नही जाएगा - सुलोचना कर्मा

बाहरी कंपनियों की लापरवाही का खामियाजा ग्रामीण नहीं भुगतेंगे, दोषियों पर सख्त करवाही की मांग

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले में नगरनार से बचेली के बीच चल रहे एनएमडीसी स्लरी पाइपलाइन कार्य एक बार फिर से विवादों में है जिसमें इस कंपनी के लापरवाही से एक घर का चिराग बुझ गया । एल एन्ड टी कंपनी की लापरवाही से एक दुर्घटना घटित हुई जब परसो शाम स्कूल के बाद घर लौट रहे 2 बच्चे इसकी चपेट में आ गए और एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गयी । पाइपलाइन बिछाने के लिए कंपनी ने यहाँ बड़े बड़े गड्ढे तो खोद दिए पर न तो सूचना बोर्ड लगवाया न ही कोई गॉर्ड बैठाया है, जिस वजह से एक मासूम की जान चली गयी । ग्रामीणों ने सुलोचना को बताया कि इससे पहले भी इस जगह पर कई हादसे हो चुके है और जलभराव से पहले भी एक बच्चा इस गड्ढे में गिरकर चोटिल हो चुका है इस पूरे मामले को संज्ञान में लेते हुए आज महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं गीदम ब्लॉक से जिला पँचायत सदस्य सुलोचना कर्मा ने बीते बुधवार को गीदम के हाऊरनार पँचायत जाकर पीड़ित परिवार से मिलने पहुँची और दुर्घटना स्थल का निरक्षण कर स्थिति का जायज़ा लिया । मृतक बालक डिकेश्वर ठाकुर की माँ से मिलकर उन्हें हिम्मत दी और भरोसा दिलाया कि दोषियों को बिल्कुल भी बख्शा नही जाएगा ।

इस मामले में सुलोचना कर्मा ने बयान जारी करते हुए कहा कि यह बालक अपने परिवार का एकलौता बेटा था जो कि आज एक कंपनी की लापरवाही की वजह से हमारे बीच नही रहा । सुलोचना ने कहा कि इस मामले में परिवार को उचित मुआवजा भी मिलना चाहिए और दोषियों पर सख्त से सख्त कार्यवाही भी होनी चाहिए और बताया कि इस मामले में जल्द ही हम ग्रामीणों के साथ मिलकर एफ़आईआर करवाई जाएगी और तुरंत उन गड्ढो को भरने के लिए कहा जायेगा ताकि भविष्य के ऐसी कोई दूसरी अप्रिय घटना न हो ।

क्षेत्र की खुशहाली वह अच्छी बारिश के लिए मां दंतेश्वरी मंदिर में किया गया अनुष्ठान*

मां दंतेश्वरी माता मंदिर एवं भुवनेश्वरी माता मंदिर में हुआ यज्ञ

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

धर्मनगरी दंतेवाड़ा में मंगलवार को मुख्य पुजारी सेवादार मंदिर समिति के सभी सदस्यों एवं 12 पर गांव के माझी ,मुखिया ,चला कि समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों द्वारा सर्व प्रजाजन के कल कल्याण नाथ एवं अच्छी बारिश की कामना करते हुए माई दंतेश्वरी मंदिर एवं मावली माता मंदिर में यज्ञ अनुष्ठान संपन्न किया गया। गौरतलाब है कि प्रतिवर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष में बस्तर की आराध्य देवी माई दंतेश्वरी देवी के मंदिर में क्षेत्र के खुशहाली समृद्धि अच्छी बारिश एवं पशुओं के निरोग होने की कामना करते हुए मंदिर समिति द्वारा हवन अनुष्ठान संपन्न कराया जाता है इसी तारतम्य में मंगलवार 29 जुलाई को नाग पंचमी के दिन दोपहर 12:00 बड़ी माई जी मंदिर एवं छोटी माई जी मंदिर में विशेष पूजा अर्चना कर यज्ञ अनुष्ठान किया गया जो शाम 4:00 बजे तक चलता रहा। दंतेश्वरी मंदिर के पुजारी विजेंद्र नाथ जिया, जगन्नाथ मंदिर के पुजारी केदारनाथ मिश्रा एवं शनि मंदिर के पुजारी विभूति नारायण मिश्रा के द्वारा पूजा अर्चना कर पूजा अनुष्ठान संपन्न कराया गया। बड़ी माई जी एवं छोटी माई जी मंदिर , दोनों ही मंदिर में एक साथ हवन अनुष्ठान संपन्न हुआ ।जानकारी के मुताबिक हवन अनुष्ठान कार्यक्रम में करीब 40 से ज्यादा गांव के ग्रामीण शामिल होने मंदिर पहुंचे थे ।अनुष्ठान में खर्च होने वाली राशि एवं सामग्री की व्यवस्था मंदिर समिति के लोग आपस में एक दूसरे से सहयोग मांग कर तथा माता के भक्तों से भी घर-घर जाकर राशि ईकटठा कर करते हैं और इस सहयोग राशि से पूजा अनुष्ठान की समस्त सामग्री खरीदी की जाती है। सर्व प्रजाजन से आर्थिक सहयोग लेने की पीछे यह उद्देश्य होता है कि मंदिर में किया गया नुकसान का पुण्य लाभ क्षेत्र के सभी प्रजाजन को मिल सके। पूजा अनुष्ठान में मंदिर के पुजारीगण, सभी सदस्य एवं 12 परगना के मांझी, पडियार,तुड़पा ,पुजारी ,चालकि , राऊत, गायता , समरथ ,समेत दर्जनों गांव के ग्रामीणों ने भी यज्ञ में आहुति डाली और अपने-अपने क्षेत्र में संपन्नता ,खुशहाली, अच्छी बारिश एवं अच्छी फ़सल की कामना अपनी आराध्य देवी मां दंतेश्वरी एवं माता भुवनेश्वरी से की।

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने संसद में उठाई आदिवासी बेटियों की सुरक्षा और धर्मांतरण पर सख्त कानून की माँग

जगदलपुर /मूक पत्रिका

बस्तर क्षेत्र की संवेदनशील परिस्थितियों एवं आदिवासी समाज की उपेक्षा और शोषण की समस्या को बस्तर सांसद महेश कश्यप ने संसद में मजबूती से उठाया। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी बेटियों की सुरक्षा और धर्मांतरण की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से सख्त कानून लाने की माँग की। सांसद कश्यप ने कहा पिछले 60 वर्षों तक बस्तर को जानबूझकर विकास से दूर रखा गया। जल, जंगल और ज़मीन से परिपूर्ण इस पावन धरा को माओवाद, गरीबी और अशिक्षा की सजा दी गई। यह क्षेत्र मानो काला पानी की तरह बना दिया गया था। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा की आड़ में कुछ बाहरी तत्व विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में मतांतरण जैसे कुत्सित प्रयासों में लिप्त हैं। अबूझमाड़ क्षेत्र का उदाहरण देते हुए, जहाँ राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र माने जाने वाले अबूझमाड़िया जनजाति निवास करते हैं, उन्होंने कहा कि मिशनरी गतिविधियों के नाम पर कुछ तत्व आदिवासी बेटियों को बहला-फुसलाकर दूसरे राज्यों में ले जाकर मतांतरण और तस्करी जैसे संगठित अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। सांसद कश्यप ने नारायणपुर से संबंधित एक हालिया मामले का उल्लेख करते हुए कहा 25 जुलाई को दुर्ग रेलवे स्टेशन पर अबूझमाड़ क्षेत्र की तीन आदिवासी बेटियों को लेने जबलपुर और आगरा से दो नन पहुँची थीं। एक बेटी ने रोते हुए स्टेशन पर सहायता माँगी। नागरिकों और रेलवे पुलिस की तत्परता से दोनों नन को गिरफ्तार किया गया। सांसद कश्यप ने आरोप लगाया कि इस गंभीर मामले को विपक्षी दल एवं केरल के कुछ सांसद राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुर्ग रेलवे स्टेशन से दो मिशनरी नन की गिरफ्तारी यह दर्शाती है कि कैसे धर्मांतरण और शारीरिक शोषण का संगठित नेटवर्क आदिवासी बहनों को निशाना बना रहा है। कुछ लोग नाम बदलकर, पहचान छिपाकर हमारे भोले-भाले समाज को छलने का कार्य कर रहे हैं। सांसद महेश कश्यप ने केंद्र सरकार से यह माँग की कि देश में एक सख्त और स्पष्ट कानून बनाया जाए जो आदिवासी बेटियों की सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा कर सके और धर्मांतरण जैसी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगा सके। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा विपक्ष के नेता बस्तर के विषय में एकपक्षीय बयानबाज़ी कर रहे हैं। उन्हें पहले ज़मीनी सच्चाई को समझना चाहिए। आदिवासी समाज की पीड़ा और बेटियों के साथ हो रहे अन्याय को समझे बिना केवल राजनीतिक लाभ के लिए बस्तर को बदनाम करना निंदनीय है। सांसद कश्यप ने दोहराया कि वे बस्तर की संस्कृति, अस्मिता और जनजातीय बेटियों की सुरक्षा के लिए हर मंच पर आवाज़ उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि बस्तर की पहचान को मिटने नहीं दिया जाएगा और जो भी ताकतें आदिवासी समाज को गुमराह करने की कोशिश कर रही हैं, उनके विरुद्ध निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है।

विधायक चैतराम अटामी ने नागपंचमी पर्व के अवसर पर नागफनी मंदिर में पूजा अर्चना कर दिया एम्बुलेंस का सौगात

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

नागपंचमी के पावन पर्व के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं के साथ नागफनी स्थित नाग मंदिर पहुंचे,विधायक चैतराम अटामी ने नाग देवता के दर्शन कर क्षेत्र की खुशहाली व समृद्धि की कामना की 7 विधायक चैतराम अटामी ने स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषय को ध्यान में रखते हुए मंदिर समिति को विधायक निधि से एम्बुलेंस प्रदाय किया जिससे विषम परिस्थिति में ग्रामीणों को सुविधा मिल सके एवं समय पर उपचार हो सके इससे कुछ माह पूर्व विधायक चैतराम अटामी ने मंदिर समिति को पानी टैंकर भी प्रदाय किया था , ग्रामीणों ने विधायक चैतराम अटामी का नागफनी आगमन पर आत्मीय स्वागत किया एवं उनके द्वारा ग्रामीणों की मुलभुत सुविधाओं को लेकर विशेष चिंता की जमकर सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया 7 विधायक चैतराम अटामी ने क्षेत्रवासियों को नागपंचमी के पावन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दिया 7 विधायक अटामी ने कहा की भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाएं पहुँच सके इस हेतु संकल्पित है , अंदरूनी ग्रामीणों तक कैसे स्वास्थ्य,शिक्षा, सड़क,विद्युत,जल जैसे मुलभुत सुविधाएं जो जनता का अधिकार है उसकी चिंता डबल इंजन सरकार कर रही है , सिर्फ चुनावी वायदों तक ही सिमित नहीं हम कार्य करके कहते है, ग्रामीणों को पेयजल,शौचालय, गैस सिलिंडर , चिकित्सा सुविधा एवं अनेको सुविधाओं हेतु प्रधानमंत्री आवास , आयुष्मान कार्ड ,उज्वला गैस योजना ,मुद्रा लोन ,पेंशन ,महतारी वंदन योजना जैसे अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित है जिसका लाभ सीधे ग्रामीणों को बिना किसी बिचौलिए के मिल रहा है 7 किसानो को खाद्य ,समर्थन मूल्य पर धान खरीदी ,तेन्दु पत्ता बोनस , तार बॉडी ,बोर खनन , सौर्य ऊर्जा जैसे विभिन्न उपकरणों का भी लाभ मिल रहा है 7 डबल इंजन की सरकार जन जन के विकास हेतु संकल्पित है 7 इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष नन्दलाल मुडामि,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अभिमन्यु सोनी, पार्षद श्रवण कड़ती,जिला पंचायत सदस्य ममता मंडावी,स्वामी ब्रम्हानंद सरस्वती,स्वामी विशुद्धानन्द सरस्वती,स्वामी महेश्वरानंद गिरी, जनपद अध्यक्ष शकुंतला भास्कर ,जनपद उपाध्यक्ष दंतेवाड़ा रमेश गावड़े ,जिला मंत्री भुवनेस्वर भारद्वाज, आईटी सेल जीला संयोजक उरदो ठाकुर , पूर्व मंडल अध्यक्ष कुआकोंडा सोमडू कोर्राम,दंतेवाड़ा मंडल महामंत्री मोहन ठाकुर ,राजेश नाग ,सरपंच सुरेंद्र भास्कर,लक्ष्मीनाथ पोडियाम, समेत समस्त भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि,ग्रामीण, कार्यकर्ता व् गायत्री परिवार के प्रमुखगण उपस्थित हुए ।

कामिनी टंडन अनुकंपा आधार पर आरक्षक पद पर नियुक्त एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने सौंपा नियुक्ति पत्र

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा में बीते बुधवार को एक भावुक क्षण देखने को मिला जब स्व. आरक्षक अशोक टंडन की पत्नी श्रीमती कामिनी टंडन को अनुकंपा आधार पर आरक्षक (जीडी) के पद पर नियुक्त किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने उन्हें औपचारिक रूप से नियुक्ति आदेश सौंपा। कामिनी टंडन के पति, स्व. अशोक टंडन, इस इकाई में आरक्षक पद पर पदस्थ थे। जिनका 05 जनवरी 2021 को आकस्मिक निधन हो गया था। इस दुखद घटना के उपरांत, दुर्ग रेंज के पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग (भा.पु.से.) द्वारा प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे। नियमानुसार सभी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए सहानुभूतिपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही की गई, जिसके परिणामस्वरूप आज कामिनी टंडन को आरक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। नियुक्ति के पश्चात कामिनी टंडन ने वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग और संवेदनशील व्यवहार के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर स्थापना/एसआरसी लिपिक दीपक गर्जेवाल, स्टेनो सउनि (अ) अजय कुमार देवांगन, एसएसपी रीडर सउनि विष्णु सप्रे सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

विधायक व संसाद के प्रयासों से, सांकरा वालों की मांग हुई पूरी

सांकरा (निको) मे बनेगा ओवरब्रिज, ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी

धरसींवा /मूक पत्रिका

विधानसभा अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 30 अंतर्गत ग्राम सांकरा (निकों) के ग्रामीणों ने हो रही सड़क पार करने की समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा और बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ दर्जनों गांव हैं. जिन्हें प्रत्येक दिन राष्ट्रीय राजमार्ग पास कर अपना काम करना होता है. इस दौरान कई तरह की घटनाएं हो जाती है. ग्रामीणों के पास आने-जाने का कोई दूसरा विकल्प नहीं है. इस जगह पर ओवर ब्रिज की व्यवस्था हो जाए तो ग्रामीणों को आने-जाने में सुविधा होगी, ग्रामीणों ने बताया कि हमलोगों को खासकर बरसात के दिनों मे अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है. ग्रामीणों कि समस्यों को समझते हुए विधायक अनुज शर्मा ने सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी व सांसद बृजमोहन अग्रवाल को पत्र लिखा कर ओवरब्रिज कि मांग किया था, ओवरब्रिज बनाने की मांग काफी समय से चली आ रही थी। लम्बी इंतज़ार के बाद मांग पूरी होने पर विधायक अनुज शर्मा ने ग्रामीणों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 30 अंतर्गत ग्राम सांकरा (निकों) में ओवर ब्रीज निर्माण के बहुप्रतीक्षित मांग थी,हमारे निरंतर प्रयासों के बाद यहाँ ओवरब्रिज (ड्क्क) बनाने की स्वीकृति मिल गई है हमारे मांग को अनुमति प्रदान करने पर मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी , रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल का हृदय से आभार व्यक्त करता हू ।इस ब्रीज के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को वर्षों से हो रही असुविधाओं और सड़क दुर्घटनाओं से अवश्य राहत मिलेगी और यातायात सुगम होगा।यह परियोजना जल्द शुरू होगी जिससे आवागमन सुरक्षित और सुगम होगा।

सीआरपीएफजवान ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 22वीं वाहिनी में पदस्थ आरक्षक पप्पू यादव ने बुधवार सुबह अपनी सर्विस रायफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आरक्षक पप्पू यादव हाल ही में छुट्टी से लौटे थे। छुट्टी से लौटने के अगले ही दिन उन्होंने अपने सरकारी हथियार से खुद पर गोली चला दी। गोली की आवाज सुनते ही परिसर में हड़कंप मच गया। साथी जवानों ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद स्थानीय थाना नैमेड़ की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक आरक्षक पप्पू यादव बिहार राज्य के भोजपुर जिले के थाना चाल पोखरी अंतर्गत ग्राम ठाकुरी के निवासी थे।घटना के बाद नैमेड़ थाने में मर्ग कायम कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुटे हुए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए जवानों से पूछताछ की जा रही है।

शहीदी सप्ताह के दौरान सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, दो इनामी सहित छह माओवादी गिरफ्तार'

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में माओवादियों द्वारा मनाए जा रहे शहीदी सप्ताह के दौरान सुरक्षा बलों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। बासागुड़ा थाना क्षेत्र में चलाए गए माओवादी विरोधी अभियान के तहत डीआरजी और कोबरा बटालियन की संयुक्त टीम ने दो इनामी माओवादियों सहित कुल छह सक्रिय माओवादियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं।यह कार्रवाई 29 जुलाई को की गई, जब संयुक्त बल की टीम धरमापुर की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते के किनारे स्थित जंगल में सर्च ऑपरेशन चला रही थी। तलाशी के दौरान संदिग्ध गतिविधियां नजर आने पर टीम ने छह लोगों को मौके पर ही दबोच लिया।गिरफ्तार किए गए माओवादियों के पास से प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन से संबंधित प्रचार सामग्री, विस्फोटक उपकरण और जमीन खोदने के औजार बरामद किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से दो माओवादियों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

- वन्यजीव संरक्षण के लिए विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर मंगलवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बारनवापारा में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर, अधीक्षक बारनवापारा अभयारण्य आनंद कुदरिया, एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी बारनवापारा सुनील खोब्रागड़े के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा कि बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि जैव विविधता की रक्षा का प्रतीक है। जहाँ बाघ सुरक्षित हैं, वहाँ पूरा पर्यावरण संतुलित रहता है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम छात्र-छात्राओं के माध्यम से समाज में बाघों के संरक्षण की चेतना प्रसारित करे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बाघों के पारिस्थितिकी तंत्र में महत्व, बाघ संरक्षण की आवश्यकता, तथा वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व के विषय में जानकारी दी गई। विद्यालय में उपस्थित प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी राहुल उपाध्याय एवं कविता ठाकुर ने विद्यार्थियों के साथ संवाद कर उन्हें वन्यजीवों की रक्षा के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों ने बाघों के संरक्षण पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों से सबको प्रभावित किया।

आरंग विधानसभा में 150 लाख की लागत से पुल-पुलिया एवं स्टाप डेम निर्माण कार्यों की मिली स्वीकृति

आरंग/खरोरा/रायपुर /मूक पत्रिका

आरंग विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (कैबिनेट दर्जा) गुरु खुशवंत साहेब के सतत जनसंपर्क, जनभागीदारी और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्ध प्रयासों का प्रतिफल अब धरातल पर परिलक्षित हो रहा है। राज्य सरकार द्वारा आरंग विधानसभा अंतर्गत ?150 लाख की लागत से कुल 14 से अधिक विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत कार्यों में प्रमुख रूप से पुल-पुलिया तथा स्टाप डेम निर्माण शामिल हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाने, बाढ़ व जलभराव की समस्याओं से राहत दिलाने तथा कृषि कार्यों हेतु जल संरक्षण को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होंगे। स्वीकृत कार्यों की संक्षिप्त सूची इस प्रकार हैः भण्डारपुरीस्टेडियम रोड के पास पुलिया निर्माण 10.00,भण्डारपुरी बरेझा रोड के पास नाला में पुलिया 10.00 ,अमेठी स्कूल के पास पुलिया निर्माण 10.00, अमेठीआश्रित ग्राम गुदगुदा शीतला मंदिर के पास पुल 8.00, चोरभट्ठी बजारी बड़े नाला में स्टाफ डेम कार्य 15.00, चोरभट्ठी से संकरी मार्ग पर पुल-पुलिया 7.00, अमसेना मरीखार में पुल-पुलिया निर्माण 10.00,चपरीद परसाही नाला में पुल-पुलिया निर्माण 15.00, घोवभट्ठी अमसेना रास्ता में पुल-पुलिया 10.00, घोवभट्ठी पिरदा रास्ता में पुल-पुलिया10.00,पारागांव बड़े सरारी में स्टॉप डेम 15.00, नारामें मनोज जी के घर के पास पुल-पुलिया 10.00, चकवे में धनुष साहू के खेत के पास स्टॉप डेम 10.00, संडी से जरौद नाला के मध्य स्टॉप डेम 10.00 की स्वीकृति हुई है। विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति हेतु छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया है।गुरु साहेब जी ने कहा - ये सभी कार्य हमारे क्षेत्रवासियों की मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़े हैं। इन कार्यों से जहां ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी, वहीं वर्षा जल का संरक्षण भी संभव होगा, जो आने वाले समय में खेती-किसानी एवं भूजल स्तर के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

यह स्वीकृति आरंग विधानसभा को आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और टिकाऊ अधोसंरचना की दिशा में एक सशक्त कदम है। विधायक गुरु साहेब ने कहा कि वे आगे भी इसी तरह जनहित के विकास कार्यों को स्वीकृति दिलाने के लिए कृतसंकल्पित हैं।

रेंज स्तरीय अपराध समीक्षा बैठक में दिये कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश

पूर्ण अनुशासन में रहें पुलिसकर्मी – आईजी डॉ0 संजीव शुक्ला

बिलासपुर /मूक पत्रिका

पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा बीते बुधवार को बिलासपुर रेंज के पुलिस अधीक्षकों की अपराध समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में वर्ष 2023 , 2024 तथा 2025 (01 जनवरी से 30 जून तक की अवधि) के अपराध आंकड़ों , विवेचना की स्थिति , लंबित अपराध की समीक्षा , महिला एवं बाल अपराध , गंभीर अपराधों में विवेचना की प्रगति , एनडीपीएस की कार्यवाही , अवैध संपत्ति जब्ती , समंस-वारंट की तामिली , शिकायतों की स्थिति एवं लघु अधिनियम व प्रतिबंधात्मक कार्यवाही अंतर्गत की गई कार्यवाही सहित जिले के कई महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा तथा आगामी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा राजपत्रित अधिकारियों को सभी विषयों पर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये गये। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा इस बात पर विशेष बल दिया गया कि गंभीर किस्म के प्रकरणों में सतत विवेचना करते हुये यथाशीघ्र विधिसम्मत निराकरण किया जावे, प्रकरण लंबी अवधि तक विवेचना में लंबित ना रहे। उनके द्वारा महिलाओं और बच्चों से संबंधित मामलों में तत्काल संज्ञान लेकर विधिसम्मत कार्यवाही किये जाने निर्देश दिये गये। साथ ही इस बात पर विशेष बल दिया गया कि महिलाओं , बच्चों से संबंधित प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही करते हुये समय-सीमा के भीतर त्वरित निराकरण किया जावे। जिले में अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों , विभागीय जांच तथा शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जावे। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि जिले में लंबित सभी गंभीर प्रकरणों- विशेषकर हत्या , हत्या का प्रयास , बलात्कार , अपहरण एवं महिला व बच्चों संबंधी अपराध , मर्ग आदि के प्रकरणों के निराकरण की ओर विशेष ध्यान दिये जाने तथा लंबित ऐसे सभी प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा की जाकर समयबद्ध निराकरण करने निर्देशित किया गया। उनके द्वारा जिले में गंभीर किस्म के प्रकरणों में जिनमें अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है तथा अनसुलझे प्रकरण जिनका निराकरण नहीं हो पाया है , ऐसे प्रकरणों में विशेष टीम गठित कर प्रकरणों का यथाशीघ्र निराकरण किये जाने निर्देश दिया गया। पर्यवेक्षणकर्ता अधिकारी अपने अधिकार क्षेत्रांतर्गत थानों के लंबित अपराधों का समयावधि में निराकरण हेतु प्रकरणवार समीक्षा प्रतिदिन स्वतः करें एवं संबंधित विवेचकों को समय-सीमा के भीतर प्रकरणों के निराकरण के संबंध में दिशा-निर्देश व मार्गदर्शन करें। गंभीर अपराधों की विवेचना में गुणवत्ता , समयबद्धता और अभियोजन समन्वय को सर्वोच्च प्राथमिकता दिये जाने पर विशेष रूप से बल दिया गया। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु प्रभावी गश्त-पेट्रोलिंग , आदतन पूर्व सिद्धदोष तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर निगाह रखते हुये आवश्यक कार्यवाही करायी जावे। जुआ-सट्टा , अवैध शराब व अवैध मादक पदार्थों एवं नशीले पदार्थों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही कराई जावे। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर शत-प्रतिशत रोक लाने हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुये सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन चेकिंग सुनिश्चित की जावे। कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों को चिन्हित किया जावे तथा इन पर निगाह रखते हुये विधिवत कार्यवाही सुनिश्चित की जावे। पुलिस महानिरीक्षक ने इस बात पर विशेष बल दिया कि पुलिसकर्मी पूर्ण अनुशासन में रहें , इसे सुनिश्चित किया जावे। किसी भी अनुशासहीनता के लिये संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार त्वरित अनुशासनात्मक कार्यवाही करें ताकि बल में अनुशासन का स्तर बना रहे। नगर पुलिस अधीक्षक/पुलिस अनुविभागीय अधिकारी को और अधिक जिम्मेदार बनाते हुये उन्हें नियमित टास्क दिया जाकर कार्यवाही सुनिश्चित करावें। पर्यवेक्षणकर्ता राजपत्रित अधिकारी अपने पर्यवेक्षणीय थाना के कार्यों की प्रतिदिन नियमित मॉनिटरिंग करें तथा अधीनस्थों को उचित दिशा-निर्देश व मार्गदर्शन करें। राजपत्रित अधिकारीगण वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त सभी प्रकार के दिशा-निर्देशों को अधीनस्थों से साझा करें एवं दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करावें। इस समीक्षा बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह , पुलिस अधीक्षक मुंगेली भोजराम पटेल , पुलिस अधीक्षक रायगढ़ दिव्यांग पटेल , पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी , पुलिस अधीक्षक सारंगढ़-बिलाईगढ़ अंजनेय वार्ष्णेय , पुलिस अधीक्षक सक्ती सुश्री अंकित शर्मा , पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चाम्पा विजय पाण्डेय , पुलिस अधीक्षक गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही सुरजन राम भगत सहित पु.म.नि. रेंज कार्या. से अति.पुलिस अधीक्षक श्रीमती मधुलिका सिंह उपस्थित रहे।

संपादकीय

लो अब दूतावास भी फर्जी !

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में फर्जी दूतावास का भंडाफोड़ चौंकाने वाली घटना है। फर्जी काल सेंटर, फर्जी आधार केंद्र और वीजा दिलाने वाले फर्जी केंद्रों के मामले तो सामने आते रहे हैं, लेकिन फर्जी दूतावास के खुलासे से कई सवाल खड़े हो गए हैं। ये सवाल तब और गंभीर हो जाते हैं, जब राजधानी दिल्ली से महज चंद किलोमीटर की दूरी पर इस तरह का गोरखधंधा चल रहा हो। यह मामला न केवल धोखाधड़ी और जालसाजी का है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने इस मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जो खुलासे किए हैं, उनसे सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभालने वाली एजेंसियां भी कठघरे में हैं।

एक आलीशान भवन में किसी देश का फर्जी दूतावास होने की भनक किसी को पहले क्यों नहीं लगी? आरोपी इस भवन के बाहर नकली राजनयिक नंबर प्लेट वाली महंगी कारें खड़ी करके रखता था, ताकि वहां आने वाले लोगों को यह दूतावास जैसा ही लगे। जांच के दौरान कई नकली नंबर प्लेट भी मौके से बरामद की गई हैं।एटीएस ने गाजियाबाद के कविनगर में छापा मार कर इस फर्जी दूतावास का पर्दाफाश किया। आरोपी ने किराए पर यह भवन ले रखा था, जहां वह फर्जी तरीके से पश्चिम आर्कटिक का दूतावास संचालित कर रहा था। वह खुद को सेबोर्गा, पुलविया और लोडोनिया का राजदूत भी बताता था। आरोपी इस फर्जी दूतावास के जरिए विदेश में काम दिलाने के नाम पर लोगों से मोटी रकम वसूलता था। हैरत की बात है कि वह लोगों को गुमराह करने के लिए प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ अपनी तस्वीरों का भी इस्तेमाल करता था।इन तस्वीरों को उसने इंटरनेट पर छेड़छाड़ करके तैयार किया था। इससे इस बात का भी पता चलता है कि इंटरनेट का दुरुपयोग धोखाधड़ी और आपराधिक गतिविधियों के लिए किस हद तक किया जा सकता है। गौर करने की बात है कि इससे पूर्व वर्ष 2011 में इस आरोपी से एक अवैध सैटेलाइट फोन बरामद हुआ था और इस संबंध में स्थानीय थाने में मामला दर्ज किया गया था। यानी वह पहले से ही आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। जिस इलाके में वह फर्जी दूतावास चल रहा था, वहां पुलिस गश्त भी होती ही होगी। इस भवन के बाहर कोई सुरक्षाकर्मी भी तैनात नहीं था। ऐसे में सवाल है कि पुलिस को वहां संदिग्ध गतिविधियों को लेकर संदेह पहले क्यों नहीं हुआ? जांच एजंसी का दावा है कि आरोपी मुखौटा कंपनियों के माध्यम से हवाला गिरोह भी चला रहा था। ऐसे में इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि उसके तार किसी विदेशी खुफिया एजंसी से जुड़े हों। गंभीर बात यह है कि आरोपी पूर्व में अंतरराष्ट्रीय हथियार सौदागर चंद्रास्वामी और अदनान खगोशी के संपर्क में भी रह चुका था।

बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन परीक्षण पर विपक्षी दलों की ओर से सवाल न ही उठता तो हैरत होती। यह ठीक है कि चुनाव आयोग ने अपने 24 जून के इस संदर्भ में दिए गए आदेश में बार-बार बदलाव किया है,लेकिन विपक्षी खेमे की ओर से इस पुनरीक्षण पर सवाल उठने की वजह उनकी आशंका है। उन्हें लगता है कि इस पुनरीक्षण के बहाने उनके वोट बैंक को सत्ता पक्ष यानी बीजेपी और जेडीयू के इशारे पर चुनाव आयोग काट देगा। उनकी आशंका पर चर्चा से पहले एक हालिया शोध का भी जिक्र किया जाना जरूरी है, जिसके अनुसार बिहार में करीब 77 लाख फर्जी वोटर हैं। ये वोटर अल्पसंख्यक वर्ग वाले सिर्फ विदेशी घुसपैठिये ही नहीं है, बल्कि इसमें मृत और अपनी रिहायश छोड़ चुके मतदाता भी हैं।

शोध अध्ययन भी बता रहे विशेष गहन पुनरीक्षण की जरूरत

(उमेश चतुर्वेदी)

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था।

बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन परीक्षण पर विपक्षी दलों की ओर से सवाल न ही उठता तो हैरत होती। यह ठीक है कि चुनाव आयोग ने अपने 24 जून के इस संदर्भ में दिए गए आदेश में बार-बार बदलाव किया है,लेकिन विपक्षी खेमे की ओर से इस पुनरीक्षण पर सवाल उठने की वजह उनकी आशंका है। उन्हें लगता है कि इस पुनरीक्षण के बहाने उनके वोट बैंक को सत्ता पक्ष यानी बीजेपी और जेडीयू के इशारे पर चुनाव आयोग काट देगा। उनकी आशंका पर चर्चा से पहले एक हालिया शोध का भी जिक्र किया जाना जरूरी है, जिसके अनुसार बिहार में करीब 77 लाख फर्जी वोटर हैं। ये वोटर अल्पसंख्यक वर्ग वाले सिर्फ विदेशी घुसपैठिये ही नहीं है, बल्कि इसमें मृत और अपनी रिहायश छोड़ चुके मतदाता भी हैं।

डेमोग्रॉफिक रिकंस्ट्रक्शन एंड इलेक्टोरल रोल इन्फ्लेशन, एस्टीमेटिंग दी लेजिटिमेट वोटर बेस इन बिहार, इंडिया नाम शोध अध्ययन के मुताबिक बिहार की मतदाता सूची में ही ऐसी गड़बड़ियां नहीं है। शोधकर्ताओं का कहना है कि ऐसी गड़बड़ियां बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश की मतदाता सूची में हो सकती है। इस शोध अध्ययन को मुंबई के एसपी जैन इंस्टीट्यूट एंड मैनेजमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर विधु शेखर और और आईआईएम, विशाखापत्तनम के असिस्टेंट प्रोफेसर मिलन कुमार ने मिल कर किया है। एसएसआरएन में प्रकाशित यह अध्ययन किसी अनुमान पर नहीं, बल्कि सरकारी आंकड़ों, मसलन राज्य की जन्म और मृत्यु दर के साथ ही राज्य से हुए पलायन और आयु प्रत्याशा के सरकारी आंकड़ों के गहन अध्ययन और विश्लेषण पर आधारित है।

विधु शेखर और मिलन कुमार के अध्ययन के मुताबिक, बिहार में इस समय करीब सात करोड़ 89 लाख वोटरों का नाम मतदाता सूची में दर्ज है। इस अध्ययन के मुताबिक, इनमें से करीब 77 हजार नाम फर्जी हैं। यानी ये मतदाता या तो मर चुके हैं या बरसों पहले से अपनी बताई या दर्ज जगह से पलायन करके कहीं और जा बसे हैं। फर्जी या गलत मतदाताओं का यह आंकड़ा करीब 9.7 प्रतिशत होता है। इसका मतलब यह हुआ कि करीब दस प्रतिशत मतदाता ज्यादा हैं या असल में हैं ही नहीं। विधु शेखर और मिलन कुमार अपने शोध के बाद इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि राज्य की हर विधानसभा सीट पर करीब तीस हजार मतदाताओं का नाम गलत तरीके से दर्ज है।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज

ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। विधु शेखर और मिलन कुमार को आशंका है कि अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है।

इस अध्ययन के अनुसार, बिहार के गांवों में जहां मृत्यु के आंकड़े अपडेट ना होने की वजह से फर्जी नाम ज्यादा हैं, वहीं शहरी इलाकों में पलायन के बावजूद नाम काटे नहीं गए हैं। राज्य में पिछली बार मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 2003 में हुआ था। उस समय राज्य में करीब तीन करोड़ 41 लाख मतदाता थे। राज्य की मौजूदा जन्म और मृत्यु दर के हिसाब से इसके बाद 4.83 जुड़ने चाहिए थे। इसके साथ ही सरकारी आंकड़ों के अनुसार इन वर्षों में राज्य से करीब एक करोड़ 12 लाख वोटरों ने पलायन किया है। उन्होंने अपना स्थायी ठिकाना राज्य से बाहर बना लिया है। इसे दिल्ली, मुंबई, पंजाब जैसे शहरों और राज्यों में देखा भी जा रहा है, जहां भारी संख्या में बिहारी मूल के मतदाता हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक, पुराने वोटरों, जन्म-मृत्यु दर की गणना और पलायन के बाद के आंकड़ों को मिलाकर राज्य में असल मतदाताओं की संख्या सात करोड़ 12 लाख के ही आसपास ही बैठती है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि राज्य में जो सतहत्तर लाख ज्यादा वोटरों के नाम हैं, वे इन वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर गड़बड़ हैं।

विधु शेखर और मिलन कुमार के अध्ययन को आगे बढ़ाते हुए राज्य में आधार कार्ड की उपलब्धता को भी जोड़ा जा सकता है। यह भी राज्य में फर्जी वोटरों की ओर इशारा करता है। वैसे मतदाता सूची में शामिल होने के लिए आधार कार्ड और राशन कार्ड को वैध प्रमाण पत्र माना जाता है। लेकिन इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारी संख्या में फर्जी राशन कार्ड हो सकते हैं या आधार कार्ड भी बन सकते हैं। राज्य के सीमांचल के जिले मसलन अररिया, पूर्णिया, कटिहार और किशनगंज जिलों में मुस्लिम आबादी करीब 39 से लेकर 68 प्रतिशत तक है,लेकिन इनकी सीमाएं पश्चिम बंगाल और नेपाल से जुड़ी हैं। पश्चिम बंगाल के सीमांचल के नजदीकी जिले बांग्लादेश से सटे हैं। इसकी वजह से इस इलाके में घुसपैठ का भी आरोप लगता रहा है। बिहार सरकार द्वारा जाति-आधारित सर्वेक्षण के दौरान एकत्र किए गए आधिकारिक आंकड़ों पर नजर डालें तो इस आरोप में दम नजर आता है। इस आंकड़े के मुताबिक, राज्य का औसत आधार कवरेज लगभग 94 प्रतिशत है, जबकि 68 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले किशनगंज में कुल जनसंख्या से करीब 105.16 प्रतिशत आधार है। इसी तरह, कटिहार में 45 प्रतिशत और अररिया में 50 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, लेकिन यहां आधार कुल जनसंख्या का करीब 101.92 और 102.23 प्रतिशत ज्यादा है। सीमांचल के ही जिले पूर्णिया में 39 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, लेकिन यहां आधार कुल जनसंख्या का 101 प्रतिशत है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि सीमांचल हर 100 निवासी पर 120 से अधिक आधार कार्ड हैं। यही वजह है कि चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में इन जिलों में मतदाता सूची में नाम के सत्यापन के लिए आधार कार्ड को अनिवार्य नहीं माना है।

संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत मिले अधिकारों के तहत चुनाव आयोग राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद और विधान मंडलों का चुनाव कराता है। इसके लिए उसे जन प्रतिनिधित्व कानून 1951 के तहत मतदाता सूची बनाने और उसे अद्यतन करने का अधिकार मिला है। स्वच्छ लोकतंत्र के लिए जरूरी स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची है। चुनाव आयोग का यह वैधानिक दायित्व है कि फर्जी वोटरों को मतदाता सूची से बाहर करे। लेकिन आज की राजनीति अपने वोटरों को साधने तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि अपने प्रतिबद्ध वोटरों की रक्षा करने की हो गई है। बिहार में माना जाता है कि एम वाई समीकरण यानी मुस्लिम और यादव वोटर राष्ट्रीय जनता दल का समर्थक है। विपक्षी दलों को आशंका है कि बीजेपी के इशारे पर उसके इन्हीं वोटरों को काटा जा सकता है। चुनाव आयोग के प्रमुख के रूप टीएन शेषन और केजे राव जैसे अधिकारियों के आने के पहले तक राज्य में बूथ लूट की घटनाएं खुलेआम होती थीं। अब तो खैर वैसा नहीं होता, लेकिन फर्जी वोटरों के नाम पर कुछ भी हो सकता है। दबंग उम्मीदवार चाहे तो अपने पक्ष में फर्जी या मृत वोटरों के नाम पर मतदान कराकर अपने पक्ष में नतीजे मोड़ सकते हैं। विधु शेखर और मिलन कुमार का शोध अध्ययन, राज्य के आधार कार्ड के अत्यधिक उपलब्धता के आंकड़े कुछ ऐसे तथ्य हैं, जिनके आलोक में राज्य में जारी गहन पुनरीक्षण को चुनाव आयोग अपने पक्ष में तर्क के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। इन संदर्भों में विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में उतरे राजनीतिक दलों के लिए ज्यादा तर्क-वितर्क की गुंजाइश शायद ही रह पाएगी।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

धर्मान्तरण के खेल पर विपक्ष का मौन

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

समूची दुनिया में लोगों की निजी मान्यताओं को प्रभावित करने वाले प्रयासों में अचानक तेजी आ गई है। व्यक्तिगत जीवन शैली को साम्प्रदायिक मूल्यों के अनुरूप परिवर्तित करने वालों की भीड बढने लगी है। ऐसे गिरोहों को आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक सहयोग देने वालों की संख्या में निरंतर इजाफा होता जा रहा है। मजहब के नाम पर चलने वाली दुकानों को धार्मिक उन्माद फैलाने वाले कारखानों में बदल दिया गया है। पैसों की चमक, प्रतिष्ठा का लालच और विलासता का वैभव दिखाकर मासूम लोगों की भावनाओं से खुलेआम खिलवाड हो रहा है। जबरन धर्मान्तरण, निकाह और जेहाद के अनगिनत मामले तेजी से उजागर हो रहे हैं जिसमें सरकारी मशीनरी के महात्वपूर्ण कलपुर्जों को दबंगी से उपयोग किया गया है। पुलिस, प्रशासन और न्याय के मंदिरों का दुरुपयोग करने वालों की मनमानियों रह-रहकर सामने आ रहीं हैं। निजी सम्पर्क, चांदी की चमक और राजनैतिक प्रभाव से निर्दोषों पर कहीं झूठी प्राथमिकी दर्जा करायी गई तो कहीं कानूनी शिकंजा कसा गया। कहीं कार्यपालिका के आला अफसरों का प्रताडना भरा हुकुम चला तो कहीं पुलिसिया डंडों की बरसात हुई। नक्कारखाने में निरीहों की आवाज तूती बनकर रह गई। शेखों की ऐशगाहों में हिन्दुस्तान की कलियों कुचलने की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होती चली गई। भय, डर और खौफ के शस्त्रों का प्रहार करने वाले आतंकी गिरोहों की तादात में इजाफा होता चला गया। सुर्खियों में आने के बाद भी ऐसे अनेक मामलों पर विरोधी दलों के नेताओं के मुंह से निंदा का एक भी शब्द बाहर नहीं आया। उनकी चुप्पी ने उनकी नीतियों, रीतियों और आदर्शों को उजागर कर दिया है। संविधान की किताब लेकर फोटो खिंचाने वाले चेहरों ने जबरन धर्मान्तरण वाले मामलों पर नकाब पहन कर मुंह छिपा लिया। पर्दे के पीछे से चल रहे इस षडयंत्र की बानगी ने ही आने वाले समय के विकार दावानल की दस्तक दे दी है। गांव से लेकर महानगरों तक में फैली अवैध बस्तियों में गैरकानूनी हथियारों की बडी खेपें मौजूद है। यह जानकारी वहां के स्थानीय प्रशासन और पुलिस के पास निरंतर पहुंच रही है परन्तु कार्यपालिक ने अभी तक कट्टरता के आतंक तले पनप रही इस विष बेल को उखाडने को प्रयास ही नहीं किया है। इस उपेक्षा के पीछे जहां तंत्र में मौजूद मीर जाफरों की फौज उत्तरदायी है वहीं अनेक राजनैतिक दलों के छाती पीट आयोजन की धमकी भी कारगर हो जाती है। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही पर आतंकियों की भीडतंत्र, खद्दरधारियों की चीखें और न्यायालयों के फरमान हमेशा ही अवरोध के रूप में खडे होते रहे हैं। यह सब कुछ पूर्व निर्धारित षडयंत्र का व्यवहारिक स्वरूप है जो रह-रहकर सामने आता है। देश की बढती अर्थ व्यवस्था, वैश्विक प्रतिष्ठा और नागरिक खुशहाली को अस्तित्वहीन करने के लिए सीमापार से अनगिनत परियोजनायें चलाईं जा रहीं हैं। इस हेतु अनेक विकसित राष्ट्रों, कट्टर देशों और जेहादी संगठनों द्वारा पूरे देश में आस्तीन के सांपों को पौष्टिक दूध पिलाया जा रहा है। जेहाद के नाम पर जहर की खेती करने वालों ने जन्नत की कल्पना में गर्म खून झौंककर काफिरों को मृत्युदण्ड देने का फतवा जारी कर दिया है। अल्लाह के इस्लाम से कोसों दूर मुल्ला का इस्लाम अब मानव जाति पर कहर बनकर टूट रहा है। व्यवहारिक आबादी के आंकडों में बहुसंख्यक होते ही वहां के इलाकों में तिरंगे से हटकर चांद-तारों की बातें होने लगतीं हैं। सरकारी दफ्तरों तक में रविवार के स्थान पर शुक्रवार का अवकाश तक घोषित कर दिया जाता है। यह देश की विडम्बना ही है कि समय के साथ सभी ज्वलंत और अमानवीय मुद्दे खामोशी अख्तियार कर लेते हैं। कोरोना काल में जिस तबलीगी जमात पर वायरस फैलाने, सरकारी आदेश न मानने और जबरन मनमानियां करने के आरोप लगाये गये थे, उस घटना पर की गई कानूनी कार्यवाही आज तक सामने नहीं आई। उत्तराखण्ड के वन क्षेत्रों में अवैध रूप से बनाई गई 5 हजार से अधिक मजारों के सुर्खियों में आने के बाद भी परिणाम सामने नहीं आये। राजनैतिक दलों के मुखियों ने हमेशा ही 'देश की जनता जानना चाहती है', 'देश को जानने का हक है', 'देश को बताया जाना चाहिए', जैसे शब्दों का प्रयोग करके निहित स्वार्थों को साधने के लिए हमेशा से वोट बैंक बढाने के लिए षडयंत्र किया है। इसी के तहत कभी अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का नारा दिया गया तो कभी भगवां आतंक का राग अलापा गया। कभी अनुसूचित जाति-जनजाति जैसे शब्दों को तलवार बनाकर सौहार्य की हत्या की गई तो कभी सनातन को मनुवाद कहकर कोसा गया। ऐसा करने वालों के निशाने पर केवल और केवल सनातन, हिन्दू और वैदिक परम्पराओं का अनुशरण करने वाले ही रहते हैं। ऐसे लोग कट्टरता से लोहा लेने की सोचने मात्र से ही सिहर जाते हैं। धर्मान्तरण के खेल पर विपक्ष का मौन उनकी मान्यताओं को उजागर करने के लिए पर्याप्त है। राजनैतिक ठेकेदार बनकर देश के नागरिकों को जातिगत जनगणना से खण्ड-खण्ड करने का मनसूबा पालने वाले षडयंत्रकारी अब पूरी तरह से बाह्य आक्रान्ताओं के पदचिन्हों पर ही कदमताल करने लगे हैं। इन्हें रोकने के लिए आम आवाम को आगे आना पडेगा तभी सफेदपोश अपराधी पूरी तरह बेनकाब हो सकेंगे।इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

समीकरणों को बदलने में माहिर हैं मोदी, मालदीव में चीनी दबदबा खत्म कर बढ़ा दिया भारत का प्रभाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और अपने इस पड़ोसी देश को आगे बढ़ते रहने तथा खुशहाल रहने के लिए भारत की ओर से शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मालदीव दौरे के दौरान जिस गर्मजोशी से मालदीव की जनता और सरकार ने उनका स्वागत किया, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को कई संदेश दिए। मालदीव की सड़कों पर लगे 'मोदी-मोदी' के नारे और नागरिकों का उत्साह यह दर्शाता है कि भारत और मालदीव के रिश्ते नए विश्वास और मजबूती के दौर में प्रवेश कर चुके हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के शुरुआती दिनों में उनके चीन की ओर झुकाव को लेकर आशंकाएं थीं। लेकिन मोदी के स्वागत ने यह संकेत दिया कि मालदीव की जनता भारत को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और अपने इस पड़ोसी देश को आगे बढ़ते रहने तथा खुशहाल रहने के लिए भारत की ओर से शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मालदीव दौरे के दौरान जिस गर्मजोशी से मालदीव की जनता और सरकार ने उनका स्वागत किया, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को कई संदेश दिए। मालदीव की सड़कों पर लगे 'मोदी-मोदी' के नारे और नागरिकों का उत्साह यह दर्शाता है कि भारत और मालदीव के रिश्ते नए विश्वास और मजबूती के दौर में प्रवेश कर चुके हैं।

राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के शुरुआती दिनों में उनके चीन की ओर झुकाव को लेकर आशंकाएं थीं। लेकिन मोदी के स्वागत ने यह संकेत दिया कि मालदीव की जनता भारत को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखती है। यह चीन के लिए स्पष्ट संदेश है कि मालदीव में भारत की जमीनी पकड़ और लोकप्रियता मजबूत है। जो लोग मालदीव में इंडिया आउट अभियान चला रहे थे उन्हें राजधानी माले की सड़क का यह दृश्य जरूर देखना चाहिए जहां जनता खुद से नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगा रही है।

हम आपको बता दें कि चीन हिंद महासागर में अपने बंदरगाहों और निवेशों के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। मालदीव इस रणनीति में एक अहम मोती है। लेकिन मालदीव में भारत के प्रति बढ़ती सकारात्मकता चीन की इस नीति के लिए बाधा बन सकती है। 'मोदी-मोदी' के नारे यह संकेत हैं कि मालदीव भारत को अधिक प्राथमिकता देने के लिए तैयार है। साथ ही मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने स्पष्ट किया है कि उनकी सरकार किसी भी विदेशी शक्ति को देश के मामलों पर नियंत्रण नहीं करने देगी। भारत के साथ बढ़ता सहयोग यह दिखाता है कि मालदीव चीन पर अत्यधिक निर्भरता से बचते हुए संतुलित कूटनीति अपनाना चाहता है। यह संकेत चीन के लिए चिंता का विषय हो सकता है। हम आपको बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू ने 60वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चीन को अप्रत्यक्ष रूप से संदेश दिया है कि उनकी सरकार किसी भी विदेशी शक्ति को मालदीव पर नियंत्रण नहीं करने देगी। राष्ट्रपति मुइज्जू ने वरिष्ठ सैन्य और पुलिस अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में कहा कि मालदीव को हमेशा अपने नागरिकों की सुरक्षा और अपने मामलों के प्रबंधन के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशाल समुद्री क्षेत्र वाले इस देश के लिए सुरक्षा बलों की क्षमता बढ़ाना आवश्यक है ताकि वह अपने मामलों को स्वयं संभाल सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मालदीव द्विपक्षीय साझेदारों से तकनीकी और अन्य सहयोग लेने के लिए खुला है, लेकिन किसी अन्य देश को आकर मालदीव के मामलों पर नियंत्रण करने देना उनकी सरकार की नीति के विरुद्ध है। यही कारण है कि प्रशासन सेना और पुलिस की भूमिका बढ़ाने पर जोर दे रहा है।

मालदीव में मोदी के स्वागत का यह उत्साह बताता है कि भारत न केवल आर्थिक और रक्षा सहयोग से बल्कि जनता-से-जनता के रिश्तों से भी मालदीव में मजबूत स्थिति में है। यह चीन को संदेश देता है कि भारत की इस क्षेत्र में गहरी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक जड़ें हैं, जिन्हें बाहरी प्रभाव से कमजोर करना मुश्किल है। मोदी के मालदीव दौरे और 'मोदी-मोदी' नारों ने चीन को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका अपरिहार्य है। मालदीव भारत के साथ अपने रिश्तों को प्राथमिकता देकर यह दिखा रहा है कि वह चीन के अत्यधिक प्रभाव से दूरी बनाना चाहता है। मालदीव के राष्ट्रपति ने जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी को भारतीय राजनीति में रिकॉर्ड बनाने पर बधाई दी वह दृश्य भी देखने लायक था।

जहां तक भारत और मालदीव के बीच हुए करारों की बात है तो आपको बता दें कि राष्ट्रपति मुइज्जू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आठ महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनमें भारत-मालदीव मुक्त व्यापार समझौते की शर्तें, भारत की एक्ज़िम बैंक से 565 मिलियन अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट, मछली पालन और एक्वाकल्चर के क्षेत्र में सहयोग, डिजिटल परिवर्तन के लिए भारत के सफल डिजिटल समाधानों को साझा करने, भारतीय फार्माकोपिया की मान्यता और मालदीव में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस सेवाओं के कार्यान्वयन से जुड़े समझौते शामिल हैं।

कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा ने भारत-मालदीव संबंधों को एक नई ऊंचाई दी है। इस यात्रा का महत्व केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित करती है। जहां तक मोदी की यात्रा से चीन पर रणनीतिक प्रभाव पड़ने की बात है तो आपको बता दें कि मालदीव, हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बेल्ट एण्ड रोड इनीटिटाइव (बीआरआई) का अहम हिस्सा रहा है। बीते कुछ वर्षों में चीन ने मालदीव में भारी निवेश कर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की थी। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा यह संदेश देती है कि भारत मालदीव को अपनी रणनीतिक परिधि का हिस्सा मानता है और चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए सक्रिय है। भारत द्वारा घोषित नई परियोजनाएं और सुरक्षा सहयोग मालदीव को यह विकल्प देते हैं कि वह चीन पर अत्यधिक निर्भर न रहे।

हम आपको यह भी बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति के एक करीबी रिश्तेदार की ओर से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विवादित टिप्पणी की बात जैसे ही सामने आई वैसे ही भारत ने इसे गंभीरता से लिया और कड़ा कूटनीतिक विरोध दर्ज कराया। यह प्रतिक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संदेश देता है कि भारत अपने नेतृत्व के सम्मान से जुड़े मुद्दों पर समझौता नहीं करेगा। यह मालदीव सरकार को भी सतर्क करता है कि वह आंतरिक राजनीतिक बयानों को नियंत्रित करे, ताकि द्विपक्षीय संबंधों पर नकारात्मक असर न पड़े। भारत ने यह स्पष्ट किया कि मजबूत रिश्ते पारस्परिक सम्मान पर आधारित होते हैं। मालदीव सरकार ने भी बाद में यह सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया कि ऐसे बयान द्विपक्षीय रिश्तों को प्रभावित न करें।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत-मालदीव संबंधों में रक्षा, व्यापार और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बढ़ती साझेदारी दोनों देशों को दीर्घकालिक लाभ देगी। यह सहयोग न केवल आर्थिक विकास में सहायक होगा, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करेगा। देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की मालदीव यात्रा ने भारत-मालदीव संबंधों को नई मजबूती दी है। भारत द्वारा दी गई सहायता ने मालदीव की सुरक्षा और विकास क्षमताओं को बढ़ाया है, जो चीन के प्रभाव को कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस यात्रा से एक बात और उभर कर आई कि प्रधानमंत्री मोदी घरेलू राजनीति ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति के समीकरणों को भी बदलने में माहिर हैं। कल तक मालदीव पर चीन का दबदबा था लेकिन अब मोदी ने उसे खत्म कर वहां भारत का प्रभाव बढ़ा दिया है। इससे पहले मोदी श्रीलंका और नेपाल को भी चीनी दबदबे से काफी हद तक बाहर निकलवा चुके हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सेवा सहकारी समिति दाढ़ी में खाद वितरण और केसीसी ऋण में उल्लेखनीय प्रगति

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले की सेवा सहकारी समिति दाढ़ी ने खरीफवर्ष 2025 में खाद वितरण और किसान क्रेडिट कार्ड के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। समिति द्वारा किए गए प्रयासों के सकारात्मक परिणाम स्वरूप किसानों को समय पर आवश्यक खाद उपलब्ध हुआ और ऋण वितरण की प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी बन पाई।

यूरिया वितरण में 111त्न की बढ़ोतरी- खरीफ वर्ष 2024 में जहां यूरिया का वितरण 426.78 मीट्रिक टन था, वहीं वर्ष 2025 में यूरिया का भंडारण बढ़कर 475.20 मीट्रिक टन हो गया है। इसका वितरण प्रगतिशील रूप से किया जा रहा है, जो कि गत वर्ष की तुलना में 111 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है।

डीएपी वितरण में 81त्न स्तर पर प्रगति- गत वर्ष डाई-अमोनियम फॉस्फेट का वितरण 169.60 मीट्रिक टन हुआ था। इस वर्ष भंडारण 138.50 मीट्रिक टन हुआ है और वितरण जारी है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 81 प्रतिशत स्तर तक पहुंच चुका है।

एमओपी वितरण में 110त्न का प्रदर्शन- म्यूरेट ऑफपोटाश का वितरण गत वर्ष 74.45 मीट्रिक टन हुआ था, जो इस वर्ष 82.15 मीट्रिक टन तक पहुँच चुका है, अर्थात 110 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

एसएसपी और 20.20.0.13. में भी सकारात्मक रुझान-सिंगल सुपर फास्फेट का वितरण पिछले वर्ष 166.10 मीट्रिक टन था, जो इस वर्ष बढ़कर 173.75 मीट्रिक टन हो गया है, अर्थात 104 प्रतिशत का प्रदर्शन। इसी प्रकार, 20.20.0.13. ग्रेड का वितरण गत वर्ष 117.45 मीट्रिक टन था, जो इस वर्ष 132 मीट्रिक टन तक पहुँच चुका है, यानि 112 प्रतिशत।

केसीसी धारक किसानों को मिला व्यापक लाभ-गत वर्ष समिति द्वारा 1,800 केसीसी धारक किसानों को ऋण वितरण किया गया था। इस वर्ष समिति ने 49 नए केसीसी जारी किए हैं। किसानों के एग्री स्टैक पंजीयन हेतु शिविरों का आयोजन किया गया, जिससे अधिक से अधिक किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला।

खाद वितरण में 95त्न केसीसी धारकों को मिला लाभ-खाद वितरण का 95 प्रतिशत भाग किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि समिति ने पारदर्शिता और सुविधा दोनों का समन्वय करते हुए कार्य किया है। केसीसी धारक किसानों का सतत रूप से अनुवीक्षण कर उन्हें जरूरतमंद संसाधनों से जोड़ा जा रहा है। यह केवल समिति की योजनाबद्ध कार्यप्रणाली को दर्शाती संवेदनशील, सक्षम और सक्रिय प्रशासनिक सहयोग से कृषि क्षेत्र में बड़े परिवर्तन लाए जा सकते हैं। सेवा सहकारी समिति दाढ़ी की यह उपलब्धि जिले के अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक प्रेरणा बन सकती है।

नगर में सूखे नशे का बढ़ता जाल कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन, जन आंदोलन की चेतावनी

कांकेर /मूक पत्रिका

कांकेर शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में नशा और सट्टा जैसे अवैध कारोबारों के बढ़ते प्रभाव ने न केवल सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित किया है, बल्कि युवाओं में अपराध की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा दिया है। स्थिति से चिंतित होकर कांकेर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में हाल की कई आपराधिक घटनाओं का हवाला देते हुए प्रशासन की निष्क्रियता पर प्रश्न उठाए गए हैं। विशेष रूप से, संजय नगर वार्ड में हाल ही में दो गुटों के बीच हुए खूनी संघर्ष और बरदेभाठा वार्ड में एक युवक की हत्या को नशे से जुड़ा बताया गया है।शहर के संजय नगर, टिकरापारा, भवानी चौक, सेन चौक, अन्नपूर्णापारा, सुभाष वार्ड, बाजारपारा, बरदेभाठा और भंडारीपारा सहित मनकेशरी व गोविंदपुर जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में खुलेआम नशीली दवाओं और सूखे नशे की बिक्री हो रही है। आए दिन चोरी, मारपीट और सड़क हादसे जैसी घटनाएं हो रही हैं, जिनका कारण नशे की लत बताई जा रही है। सट्टा-पट्टी का कारोबार भी धड़ल्ले से फल-फूल रहा है, जिसमें खाईवालों और पुलिस कर्मियों की मिलीभगत के आरोप भी लगे हैं।

कांग्रेस ने दी चेतावनीः कार्रवाई नहीं तो आंदोलन –इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता सुनील गोस्वामी ने जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा और मीडिया से चर्चा में कांकेर कोतवाली के अधिकारियों पर कार्यशैली को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहाः- ÷शहर की कानून व्यवस्था पूरी तरह से बेलगाम हो चुकी है। नशे, सट्टे, चोरी और मारपीट जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल ही में कांग्रेस के एक पूर्व पार्षद के साथ हुई मारपीट सूखे नशे और इस बदहाल स्थिति का जीवंत उदाहरण है। अगर प्रशासन ने ठोस कदम नहीं उठाए, तो कांग्रेस पार्टी जन आंदोलन शुरू करेगी।÷ क्या बोले अधिकारी? पुलिस प्रशासन ने ज्ञापन मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि स्थिति पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नशा और सट्टा केवल कानून व्यवस्था का मसला नहीं, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक बुनियाद को कमजोर करने वाली समस्याएं हैं। युवाओं का तेजी से इन जालों में फंसना आने वाले वर्षों में और भी बड़े संकट को जन्म दे सकता है।

नये सवेरा वृद्ध आश्रम का होगा शीघ्र शुभारंभ, बेसहारा बुजुर्गो के लिये उम्मीद की नई किरण

भाटापारा /मूक पत्रिका

आज सारे विश्व के साथ हमारे देश में भी बुजुर्गों की स्थिति बड़ी ही दयनीय व मार्मिक है। इनमें से कुछ बुजुर्ग भरे पूरे परिवार के रहते हुये भी बेहद प्रताड़ित व उपेक्षित जीवन जीने को मजबूर हैं। जिसके पीछे अहम कारण उनके बच्चे व बेटे बहू या अन्य परिवार के सदस्यों का नौकरी या अन्य कारणों से घर परिवार से दूर अन्यत्र स्थानों पर कार्यरत होना होता है। वहीं कुछ बुजुर्ग लोगों को कतिपय कारणों से अपने बच्चों द्वारा उन्हें उपेक्षित करना कारण माना जाता है। इनमें से कुछ बुजुर्ग अनाथ भी होते है , ऐसे कई कारणों के चलते उन्हें अभिशप्त जीवन बिताना पड़ता है। इन्हीं सभी कारणों के मद्देनजर रखते हुये हमारे कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा वृद्धाश्रम संचालित किये जाते हैं , जहां अपने परिवार से उपेक्षित एवं प्रताड़ित वृद्धों को आश्रय दिया जाता हैं। इन्हीं सब कारणों को देखते हुये भाटापारा नगर के समीप गांव मोपका के मालगुजार रामनाथ वर्मा की पौत्रवधू डॉ. श्वेता वर्मा द्वारा जो स्वयं डॉक्टर (जिसे भगवान का दर्ज दिया जाता है) के रूप मे कार्यरत हैं। इन्होंने इस मानव सेवा के महती कार्ययोजना को क्रियान्वित करने का बीड़ा उठाकर स्थानीय रजिस्ट्री (टेजरी) ऑफिस के पीछे , हनुमान मंदिर के पास वृद्धाश्रम का निर्माण करवाया है। जहां गरीब , बेसहारा , अनाथ व कतिपय कारणों से घर से दूर रहने वाले बुजुर्ग को एक अच्छे वातावरण में आश्रय मिलेगा। जहां उसके खान - पान और स्वास्थ्य के साथ - साथ मनोरंजन , खेलकूद , लाइब्रेरी , सभी दैनंदिनी जरूरतों का भी ध्यान रखा जायेगा। इस वृद्धाश्रम की संचालिका डॉ. श्वेता वर्मा ने चर्चा के दौरान अरविन्द तिवारी को बताया कि सीआईएसएस फाउंडेशन के बैनर तले संचालित नया सवेरा वृद्ध आश्रम का शुभारंभ संभवतः पंद्रह अगस्त को हो सकता है। गौरतलब है कि ग्रामीण बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से रामनाथ वर्मा ने अपने गृह ग्राम मोपका में अपनी दस एकड़ जमीन शासन को दान में देकर यहां एक पीजी. शासकीय महाविद्यालय भी संचालित की जा रही है , जहां ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

वहीं उनकी पौत्रवधु डॉ. श्वेता वर्मा द्वारा भाटापारा नगर में स्वयं का फिजियोथेरेपी का संचालन किया जा रहा है , जहां पर अनेकों मरीज अपना स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। इस पूरे परिवार द्वारा जन सेवा के लिये जो कार्य किये जा रहे हैं , उनकी इस क्षेत्र की जनता भूरी - भरी प्रशंसा कर रही है।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस : बिजराकछार में जांच व परामर्श शिविर आयोजित

74 लोगों की हुई हेपेटाइटिस व अन्य स्वास्थ्य जांच

मुंगेली /मूक पत्रिका

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार विकासखंड लोरमी के वनांचल ग्राम बिजराकछार में हेपेटाइटिस जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों सहित स्थानीय ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। शिविर में 74 व्यक्तियों की हेपेटाइटिस बी एवं सी, एचआईवी, टीबी, बीपी, शुगर, एचआईव्ही आदि की निःशुल्क जांच की गई। इसके साथ ही ग्रामीणों को हेपेटाइटिस के लक्षण, बचाव एवं उपचार संबंधी विस्तृत जानकारी देते हुए लोगों को उबला व स्वच्छ पानी पीने, शौच के बाद हाथों को साबुन या हैण्ड वॉश से धोने तथा खुल में शौच न जाने की समझाईश दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि संक्रमित सुई, असुरक्षित इंजेक्शन, दूषित रक्त एवं संक्रमित यौन संपर्क से यह रोग फैल सकता है। उन्होंने ग्रामीणों को सलाह दी कि शरीर में यदि पीलापन, त्वचा में खुजली, थकान या पेट में दर्द जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत जांच कराएं। टेटू, गोदना व शरीर में छेद कराते समय नई सुई का उपयोग करें। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को हेपेटाइटिस से बचाव के लिए सुरक्षित टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधा दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि जिले के शासकीय अस्पतालों में हेपेटाइटिस की निःशुल्क जांच, उपचार और दवा उपलब्ध है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

समाधान शिविर बना सहारा, सुनीता को मिला निःशुल्क राशन का अधिकार

मुंगेली /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप सुशासन तिहार अंतर्गत 08 अप्रैल से 31 मई तक समाधान शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य आमजनों सहित दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में रह रहे जरूरतमंदों को सरकारी योजनाओं का लाभ तत्काल उपलब्ध कराना था। इन शिविरों में आमजनों द्वारा अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन सौंपा गया, प्रशासन द्वारा अनेकों आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया और आमजनों को राहत पहुंचाई गई। इसी कड़ी में लोरमी विकासखण्ड के सुदूर वनांचल ग्राम बिजराकछार में आयोजित समाधान शिविर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। इस दौरान सुनीता यादव ने मुख्यमंत्री साय से राशन कार्ड की मांग रखी। सुनीता के आवेदन को गंभीरता से लेते हुए राशनकार्ड बनाने की कार्यवाही की गई। जिसके पश्चात कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बिजराकछार में आवेदनों के निराकरण हेतु आयोजित विशेष शिविर में उन्हें राशन कार्ड प्रदान किया। राशनकार्ड मिलने पर सुनीता की आंखों में खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने मुख्यमंत्री साय व जिला प्रशासन का आभार जताया और कहा कि अब उन्हें अपने परिवार के लिए राशन की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।

शिवसेना,,,B,T ने कहा लाइमस्टोन क्रेशर गिट्टी मालिकों द्वारा अवैध सिंडिकेट बनाकर महंगे दामों में जनता को लूटा जा रहा है

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के प्रदेश सचिव दाऊ राम चौहान ने कहा कि अभी वर्तमान में छत्तीसगढ़ प्रदेश के अंदर केंद्र व राज्य शासन के द्वारा पक्का छत देने हेतु प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कराया जा रहा है जिसमें प्रमुख रूप से क्रेशर गिट्टी लाइमस्टोन लगता है जिसको जिला रायपुर, जिला दुर्ग, जिला बेमेतरा व छत्तीसगढ़ प्रदेश के व अन्य जिलों के क्रेशर मालिकों के द्वारा अवैध गठजोड़ सिंडिकेट बनाकर गिट्टी का रेट बढ़ाकर महंगे दामों में आम जनता एवं गरीब परिवारों को लूटा जा रहा है एक महीना पहले 20 रूद्व गिट्टी का रेट प्रति टन 350 रुपए था अभी वर्तमान क्रेशर मालिकों के द्वारा गिट्टी का मूल्य बढ़ाकर 525 रुपया प्रति टन कर दिया गया है जिससे गरीब, मजदूर, किसान अपना घर नहीं बन पा रहे हैं रायपुर में क्रेशर गिट्टी खदान मालिकों के द्वारा इस अवैध सिंडिकेट बनाने से सरकार भ्रष्टाचार विरोधी छवि भी खराब हो रही है आगे चौहान ने कहा कि रायपुर, दुर्ग, बेमेतरा, व छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों के समस्त क्रेशर पर उचित कार्यवाही करते हुए गिट्टी का उचित मूल्य दर पर प्रदेश की गरीब जनता को गिट्टी उपलब्ध करने की मांग मुख्यमंत्री के नाम से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोपा गया जिसमें शिवसेना पार्टी के जिला प्रमुख गिरवर रजक, जिला प्रमुख रामचरण वर्मा, ईश्वर साहू , जिला महासचिव डोमेन्द्र राजपूत, जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मण राजपूत, जिला सचिव सुनील सेन, विधानसभा प्रमुख नारायण साहू, ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप आ डिल, छबीरम यादव, जिला सचिव दिलीप रजक, वीरू चौहान, रमेश रात्रै, सनत, दानी यादव, दुखित वर्मा, छेदीलाल, एवं समस्त शिव सैनिक , उपस्थित रहा।

समावेशी शिक्षा के तहत बीजापुर में 115 दिव्यांग बच्चों की हुई चिकित्सकीय जांच

बीजापुर/मूक पत्रिका

समावेशी शिक्षा के तहत जिले में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक दिवसीय जिला स्तरीय मेगा शिविर का आयोजन बीते 29 जुलाई 2025 को किया गया। यह शिविर कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशन में तथा जिला शिक्षा अधिकारी राजकुमार कठौते, जिला मिशन समन्वयक कमल दास झाड़ीं, और एपीसी (समावेशी शिक्षा) तारकेश्वर पैकरा की सक्रिय पहल पर संपन्न हुआ।शिविर में जिले के चारों विकासखंड–बीजापुर, भोपालपटनम, उसूर और भैरमगढ़– से 115 विभिन्न प्रकार के दिव्यांग बच्चों का विशेषज्ञों द्वारा शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक स्तर पर मूल्यांकन किया गया। शिविर में विकासखंड स्तर के बीआरपी प्रभारी–चितु राम बघेल ,बीजापुर , अनिरुद्ध गिलहरे ,भोपालपटनम, वेदाराम निषाद , उसूर और सुनील तायवाडे , भैरमगढ़ सहित समावेशी शिक्षा से जुड़े हेल्परों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय बीजापुर की ओर से समस्त पंजीकृत दिव्यांग बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए गए। बच्चों और उनके अभिभावकों ने इस सहयोग के लिए शिक्षा विभाग का आभार व्यक्त किया। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ, नाक-कान-गला विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, बौद्धिक अक्षमता विशेषज्ञ, तथा श्रवण बाधित विशेषज्ञ उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी जाँचें कीं और जरूरी परामर्श भी दिए।

दुधावा इलाके में भालुओं का आतंक, ग्रामीणों में दहशत का माहौल, रात के सन्नाटे में घरों में घुस रहे हैं भालू

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर वनमंडल के सरोना वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम दुधावा में इन दिनों भालुओं का आतंक ग्रामीणों के लिए भारी परेशानी का कारण बन गया है। बीते कुछ दिनों से लगातार भालुओं की टोली रात के समय गांव में घुसकर घरों में रखे खाद्य पदार्थों को नष्ट कर रही है, साथ ही सामानों की तोड़फोड़ भी कर रही है। ताजा घटना ग्राम दुधावा निवासी रूपेश निषाद के घर की है, जहां बीती रात एक भालू घर में घुस आया। भालू ने घर में रखे एक टीना तेल, गुड़, शक्कर सहित अन्य खाद्य सामग्री को खा लिया और घरेलू सामान को तहस-नहस कर दिया।रूपेश निषाद के परिजनों को जैसे ही घर में हलचल का अहसास हुआ, उन्होंने शोर मचाया। शोरगुल से घबराकर भालू ने छप्पर तोड़ते हुए भागने का प्रयास किया और फिर जंगल की ओर चला गया। यह कोई पहली घटना नहीं है। कुछ दिन पहले किसान चंद्रशेखर नेताम पर भी खेत में काम करते समय भालू ने हमला कर दिया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सौभाग्य से समय रहते ग्रामीणों की मदद से उनकी जान बचाई जा सकी। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में गहरी दहशत है। आए दिन भालू किसी न किसी घर में घुसकर तबाही मचा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर वे बेहद चिंतित हैं। रात होते ही लोग दरवाजे बंद कर और लाइट बुझाकर सोने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि भालुओं को गांव की सीमा से दूर रखने के लिए जाल बिछाने, पिंजरे लगाने और गश्त बढ़ाने जैसे ठोस कदम उठाए जाएं। साथ ही घायल व्यक्तियों को उचित मुआवजा और उपचार की सुविधा दी जाए। वनों में भोजन की कमी भालुओं को गांवों की ओर खींच रहा है। यह मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती समस्या को दर्शाता है, जिस पर तत्काल ध्यान देना अनिवार्य है।

शिक्षण संस्थाओं में कलेक्टर उतरे शिक्षकों की भूमिका पर, गणित एवं अंग्रेजी विषयों को लेकर छात्रों को परखा

छात्रावासों के छात्रों से कलेक्टर का संवाद, उनकी मांगों को संज्ञान में लेकर त्वरित कार्यवाही करने के दिए निर्देश

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

कलेक्टर कुणाल दुदावत के द्वारा बीते बुधवार को दंतेवाड़ा एवं कटेकल्याण विकासखंड के स्वास्थ्य केन्द्रों एवं शिक्षण संस्थाओं का आकस्मिक सघन निरीक्षण किया गया। इस क्रम में कलेक्टर द्वारा सर्वप्रथम बालूद ग्राम के समीप शंकनी नदी में बनाये जा रहे बाईपास पुल का अवलोकन किया और कार्य में प्रगति लेने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बालूद एवं पोन्दुम पंचायत स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप-स्वास्थ्य केंद्रों) का अवलोकन किया। उन्होंने वहां संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए एएनसी (एंटी नेटल केयर) जांच, ओपीडी सेवाएं, औषधि आपूर्ति, टीकाकरण, रिकॉर्ड संधारण सहित अन्य चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से गर्भवती माताओं को समय पर आवश्यक जांच, आयरन एवं कैल्शियम की गोलियां, पोषण परामर्श तथा संस्थागत प्रसव की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने निक्षय निरामयम योजना के अंतर्गत क्षय रोगियों को दी जा रही सुविधाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा वयवंदन योजना के लाभार्थियों की स्थिति की भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से सेवा प्रदाय की गुणवत्ता, मरीजों की संख्या और नियमित उपस्थिति के विषय में चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने उपस्थित स्वास्थ्य अमले को निर्देशित किया कि वय वंदना और आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों के ट्रेसिग के लिए क्षेत्र में शत-प्रतिशत स्वास्थ्य स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाकर शिविरों का आयोजन करें। उन्होंने आगे कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर की स्वास्थ्य सेवाएं सिर्फ मरीजों को दवा देने तक सीमित नहीं है इसके अलावा सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ता फील्ड में जाकर सक्रिय रूप से कार्य करना भी जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से घर-घर जाकर लोगों की जांच, जागरूकता तथा सेवाओं की पहुंच को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने ने बालूद के आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया और बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी लेते हुए बच्चों को नियमित रूप से अंडा उपलब्ध कराया जाने की बात कही।

शिक्षण संस्थाओं में कलेक्टर उतरे शिक्षकों की भूमिका पर, गणित एवं अंग्रेजी विषयों को लेकर छात्रों को परखा-तत्पश्चात कलेक्टर ने ग्राम पंचायत मेडोली स्थित पोटाकेबिन का निरीक्षण किया और वहाँ चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यों की धीमी गति और गुणवत्ता पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को निर्देशित किया कि सभी कार्यों को मिशन मोड में पूर्ण करते हुए पोटाकेबिन को सर्वसुविधायुक्त और उत्कृष्ट गुणवत्ता वाला बनाया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि बच्चों के लिए बनाए जा रहे इस पोटाकेबिन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध कार्य पूर्ण करने की सख्त हिदायत भी दी। निरीक्षण के उपरांत कलेक्टर ने पोटाकेबिन में अध्ययनरत बच्चों से मुलाकात की और उनसे पढ़ाई से जुड़े सवाल पूछे। बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ उत्तर दिए, जिस पर कलेक्टर ने उनकी सराहना करते हुए उन्हें और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। इसके बाद कलेक्टर ने ग्राम बेंगलूर के पोटाकेबिन का भी अवलोकन किया और वहां पर पढ़ाई कर रहे बच्चों से अंग्रेजी के सवाल भी पूछे गए। इस क्रम में कलेक्टर द्वारा ग्राम परचेली में डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल निरीक्षण करके बच्चों की शैक्षणिक स्थिति को परखने के लिए स्वयं कक्षा में जाकर गणित और अंग्रेजी के प्रश्न पूछे। बच्चों के उत्तर सुनकर उन्होंने उनके प्रयासों की सराहना की और उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

बच्चों की मांगों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश- ग्राम परचेली में डीएवी स्कूल के निरीक्षण के दौरान बच्चों ने कलेक्टर से कुछ बुनियादी सुविधाओं की मांग रखी, जिनमें स्कूल और छात्रावास से जुड़ी आवश्यकताएँ शामिल थीं। कलेक्टर ने बच्चों की बातों को गंभीरता से लेते हुए आरईएस के कार्यपालन अभियंता (ईई), जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) और अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों की माँगों के अनुरूप कार्यों को शीघ्रता से पूरा किया जाए।

छात्रावास में व्यवस्थाओं का जायजा-इस क्रम में कलेक्टर ने कटेकल्याण में निर्माणाधीन एकलव्य विद्यालय, 50 सीटर प्रीमैट्रिक कन्या छात्रावास भवन, आदिवासी पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास, कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण भी किया साथ ही यहां चल रहे निर्माणाधीन कार्यों को पूरा करने हेतु समय सीमा दिया साथ ही विलम्ब कार्य के लिए ठेकेदार को नोटिस दिए गए। स्कूल परिसर के साथ-साथ बच्चों के आश्रम छात्रावास का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहाँ की पेयजल, शौचालय, स्नानगृह (बाथरूम) तथा बिजली व्यवस्था (लाइटिंग) का जायजा लिया। उन्होंने पाया कि कुछ क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है, जिसे लेकर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी बुनियादी सुविधाएँ शीघ्र और सुनिश्चित रूप से उपलब्ध कराई जाए, ताकि बच्चों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर ने कटेकल्याण के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर, छात्रावास तथा शैक्षणिक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और बच्चियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने छात्राओं को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता का जायजा भी लिया और स्वयं भोजन का निरीक्षण कर बच्चों से उनके अनुभव साझा करने को कहा। उन्होंने छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं भी जानी और उनकी आवश्यकताओं को गंभीरता से संज्ञान में लेने का आश्वासन दिया।

पाकिस्तान में फ्लैश फ्लड का कहर टीवी एंकर समेत 15 लोग लापता,

स्थानीय लोग सरकार की व्यवस्थाओं से नाराज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में रविवार को हाईवे पर अचानक पानी भर गया। फ्लैश फ्लड की चपेट में आई एक टीवी एंकर और उसके परिवार के सदस्यों समेत 15 लोगों के बह जाने की आशंका है। वहीं कई दिनों से प्रकृति की मार झेल रहे इस इलाके के विस्थापितों ने स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क पहुंच और संचार सेवाओं की गंभीर कमी की शिकायत की है।

बाढ़ से प्रभावित डायमर की बाबूसर और थोर घाटियों में बचे लोगों ने कहा कि वे हाल के दिनों की सबसे घातक बाढ़ की चपेट में आ गए हैं, जिसमें कई लोग बेघर हो गए और उनका सारा सामान बह गया। मीडिया हाउस डॉन के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि फ्लैश फ्लड से बाबूसर हाईवे पर अचानक पानी बढ़ गया और इसमें 10 से 15 पर्यटक बह गए। अब तक सात शव बरामद किए जा चुके हैं। पर्यटकों में एक निजी चैनल की टीवी एंकर, उनके पति और उनके चार बच्चे भी शामिल हैं।

गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक ने बताया कि एक पश्तो भाषा के टीवी चैनल की एंकर के परिवार ने अधिकारियों से संपर्क कर बताया है कि वह, उनके पति और उनके चार बच्चे

लापता हैं।

फारक ने बताया कि उन्हें एंकर का एक बटुआ मिला है। वहीं, चिलास के मीनार इलाके में सिंधु नदी से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है। माना जा रहा है कि यह महिला उन पर्यटकों में शामिल है जो बाबूसर हाईवे पर आई बाढ़ में बह गए थे।

उन्होंने कहा, खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद से बाकी लापता लोगों की तलाश जारी है। उन्होंने मीडिया को बताया कि भारी मशीनरी का उपयोग करके मरम्मत कार्य जारी है, 15 स्थानों पर सड़क अवरुद्ध है, और उनमें से 13 स्थानों पर आंशिक रूप से मार्ग साफ कर दिया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सोमवार तक राजमार्ग आंशिक रूप से यातायात के लिए फिर से खोल दिया जाएगा।

गिलगित क्षेत्र में, दान्योर नाले से आई अचानक बाढ़ के कारण मुख्य आपूर्ति पाइपलाइन और कई सिंचाई नहरें क्षतिग्रस्त होने के बाद, दान्योर और सुल्तानाबाद इलाकों के हजारों निवासी लगातार तीन दिनों तक पीने के पानी के बिना रहे। वहीं आम लोग सरकार की अनदेखी से भी खासा नाराज हैं। गिलगित के पूर्व मंत्री मुहम्मद इकबाल के नेतृत्व में क्षेत्र के बुजुर्गों ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार बार-बार आश्वासन के बावजूद बाधित जल आपूर्ति बहाल करने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि हालांकि निवासियों ने पाइपलाइन को अस्थायी रूप से बहाल करने में कामयाबी हासिल की थी, लेकिन बाद में आई बाढ़ ने इसे फिर से नष्ट कर दिया। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि अभी तक कोई मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है और सरकार को कार्रवाई के लिए एक दिन का अल्टीमेटम दिया है, अन्यथा वे विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। इस बीच, घांचे जिले के कोंडस और हल्दी के निवासियों ने भी राहत सामग्री, बिजली, पेयजल और सड़क मार्ग की कमी की शिकायत की।

कोंडस में हुए विनाशकारी भूस्खलन में 50 से ज्यादा घर बह गए, जिससे कई परिवार बेघर हो गए और उन्हें भोजन, आश्रय, चिकित्सा देखभाल, और आपातकालीन सेवाओं की तत्काल आवश्यकता है। स्थानीय लोगों ने इंटरनेट की अनुपलब्धता पर भी दुख जताया, जिससे बातचीत करना या मदद के लिए फ़ोन करना और भी मुश्किल हो गया। जुटल और गिलगित-बाल्टिस्तान के अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों ने भी बुनियादी सुविधाओं की कमी की शिकायत की और सरकार की धीमी प्रतिक्रिया और समय पर राहत पहुंचाने में विफलता की आलोचना की।

हमास नेता सिनवार की विधवा फर्जी पासपोर्ट पर गाजा से भागी, तुर्किये में की दोबारा शादी

गाजा पट्टी, एजेंसी। हमास के पूर्व नेता याह्या सिनवार की विधवा समर मुहम्मद अबू जमर फर्जी पासपोर्ट पर गाजा से भाग निकली। अब उसने तुर्किये में दोबारा शादी कर ली है। इस्राइली समाचार एजेंसी ड्ढठ्ठद्गह्ल की रिपोर्ट में जमर के भागने और दोबारा शादी करने का दावा किया गया है।

जमर ने 2011 में सिनवार से शादी की थी। जमर ने गाजा के इस्लामिक विश्वविद्यालय से धर्मशास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। रिपोर्ट के अनुसार, समर ने फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल किया और अपने बच्चों के साथ चोरी-छिपे गाजा से बाहर निकल गईं। उन्होंने एक और गाजा निवासी महिला के पासपोर्ट का इस्तेमाल किया और राफा बॉर्डर के रास्ते मिस्र गईं।

गाजा के एक व्यक्ति ने ड्ढठ्ठद्गह्ल को बताया कि समर अब गाजा में नहीं हैं, वे अब तुर्किये में हैं। उसने कहा कि गाजा से इस तरह भागना बहुत मुश्किल है और इसके लिए पैसों, मदद और ऊंचे स्तर पर संपर्क की जरूरत होती है- जो आम लोगों के पास नहीं होती।रिपोर्ट में कहा गया है कि समर ने पिछले साल अक्तूबर में याह्या सिनवार की मौत के बाद तुर्किये में दोबारा शादी की। यह शादी हमास के एक सीनियर नेता फती हम्माद ने करवाई। हम्माद पहले भी हमास नेताओं और उनके परिवारों को संघर्ष वाले इलाकों से बाहर निकालने की कोशिशों से जुड़ चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, हमास ने गाजा में युद्ध के शुरुआती समय में अपने वरिष्ठ नेताओं के परिवारों को बाहर निकालने के लिए एक योजना बनाई थी, जिसमें फर्जी दस्तावेज और मेडिकल रिपोर्ट्स का इस्तेमाल किया गया। सिनवार के भाई मोहम्मद की पत्नी नजवा, जो कुछ समय के लिए हमास का नेतृत्व भी कर रही थीं, वह भी इसी नेटवर्क की मदद से गाजा से बाहर निकल गईं। रिपोर्ट के मुताबिक, तब से उन्हें किसी ने नहीं देखा।इस्राइल की सेना ने याह्या सिनवार को 16 अक्तूबर 2024 को गाजा के राफा इलाके में एक टूटी-फूटी इमारत में ढूंढ निकाला और मार गिराया। वीडियो फुटेज में वह धूल में सने हुए एक कुर्सी पर बैठे दिख रहा था और ड्रोन पर एक डंडी फेंकते नजर आया। बाद में सिर में गोली लगने और मलबे की चोटों से उसकी मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में लगे भूकंप के झटके

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। सोमवार तड़के आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 रही। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप के झटके भारतीय समयानुसार सोमवार सुबह 2 : 06 बजे महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र इस्लामाबाद के पश्चिम में जमीन के भीतर 10 किलोमीटर की गहराई में था। पाकिस्तान, भूकंप के लिए दुनिया के सबसे संवेदनशील देशों में शामिल है, जहां कई बड़े भूकंपीय फॉल्ट स्थित हैं। इसके चलते, पाकिस्तान में अक्सर भूकंप आते हैं और विनाशकारी होते हैं। पाकिस्तान भूगर्भीय रूप से यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों, दोनों को ओवरलैप करता है।

वॉलमार्ट में चाकू से हमला करने वाले संदिग्ध पर आतंकवाद और हमले के आरोप दर्ज करने की मांग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में एक वॉलमार्ट में चाकू से हमला करने वाले संदिग्ध पर अधिकारी आतंकवाद और हत्या की कोशिश जैसे गंभीर आरोप लगाने की मांग कर रहे हैं। यह घटना शनिवार को ट्रैवर्स सिटी के एक वॉलमार्ट में हुई थी। इस घटना में 11 लोग घायल हो गए थे। अधिकारियों का मानना है कि हमलावर ने लोगों को बिना किसी वजह के अंधाधुंध निशाना बनाया। ग्रैंड ट्रैवर्स काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, यह हमला शाम करीब 4 : 45 बजे हुआ, जब 42 साल का एक आदमी स्टोर में आया और एक फोल्डिंग चाकू से लोगों पर हमला करने लगा।

चीन के लड़ाकू विमान फिर ताइवान की सीमा में घुसे

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि चीन के लड़ाकू विमानों ने एक बार फिर उसकी संप्रभुता का उल्लंघन किया और पीएलए के 4 लड़ाकू विमान ताइवान की सीमा में घुस आए। साथ ही 10 युद्धक जहाजों ने भी ताइवान के जलीय सीमा का उल्लंघन किया। ताइवान की सरकार ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 6 बजे चीन की सेना के चार विमान ताइवान की सीमा में देखे गए। साथ ही 10 युद्धक जहाजों ने भी ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया। ताइवान ने कहा कि वे हालात पर नजर बनाए हुए हैं और हालात के मुताबिक जवाब दिया जाएगा।

सूडान में आरएसएफ ने बनाई वैकल्पिक सरकार, तेज हुआ गृहयुद्ध

खार्तूम, एजेंसी। सूडान में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने वैकल्पिक सरकार के गठन का एलान किया है। इसके साथ ही गठबंधन ने देश की राजधानी खार्तूम में स्थित सैन्य अधिकारियों को सीधी चुनौती दे दी है। देश में तीन वर्षों से जारी गृहयुद्ध तेज हो गया है। अल जजीरा कि रिपोर्ट के अनुसार, खुद को सूडान संस्थापक गठबंधन (टीएएसआईएस) की नेतृत्व परिषद कहने वाले इस गठबंधन ने एलान किया है कि आरएसएफ कमांडर मोहम्मद हमदान हेमेदती दागालो 15 सदस्यीय राष्ट्रपति परिषद की अध्यक्षता करेंगे। इसमें क्षेत्रीय गवर्नर भी शामिल होंगे। टीएएसआईएस ने सूडानी राजनेता मोहम्मद हसन को प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। पिछले काफी समय से सूडान आंतरिक संघर्ष से जूझ रहा है। इसके चलते लोगों को बेहद समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

जंगल के बीच पटरी से उतरी ट्रेन, तीन की मौत और 50 से ज्यादा घायल, भूस्खलन की आशंका

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी के दक्षिण–पश्चिमी हिस्से में रविवार को एक बड़ा रेल हादसा हुआ। सिगमारिंगन से उल्म जा रही एक पैसेंजर ट्रेन जंगल के बीच से गुजरते समय पटरी से उतर गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दर्जनों यात्री घायल हो गए। ट्रेन में करीब 100 लोग सवार थे। जर्मनी देश के समय अनुसार हादसा शाम करीब 6 : 10 बजे रिडलिंगन शहर के पास हुआ। जर्मन रेल ऑपरेटर डॉयचे बान ने पुष्टि की कि ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे के कारणों की फिलहाल पुष्टि नहीं हो सकी है। ऑपरेटर का कहना है कि घटनास्थल पर जांच चल रही है और आसपास के 40 किलोमीटर इलाके में ट्रैफिक रोक दिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जर्मनी के कई हिस्सों में भारी बारिश और तूफान के चलते लैंडस्लाइड की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार, दक्षिणी जर्मनी में इन दिनों मौसम बेहद खराब बना हुआ है। घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। फायर ब्रिगेड और मेडिकल टीमें मौके पर पहुंचीं। स्थानीय टीवी चैनल एसडब्ल्यूआर के अनुसार, कई घायलों को हेलिकॉप्टर के जरिए पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। कई घायल लोगों को गंभीर हालत में भर्ती किया गया है।जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि वे परिवहन और गृह मंत्रालय के संपर्क में हैं और बचाव कार्य के लिए हर संभव मदद दी जा रही है। साथ ही, इस हादसे ने एक बार फिर जर्मनी के रेलवे सिस्टम की खस्ता हालत पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह पहली बार नहीं है जब जर्मनी में इस तरह का हादसा हुआ है। जून 2022 में भी एक ट्रेन बवेरियन एल्प्स के पास पटरी से उतर गई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी।

चीन के दबाव में सांस्कृतिक मंच हुआ राजनीति का शिकार, बदला गया ताइवान का झंडा और नाम

टोक्यो, एजेंसी। जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित इंटरनेशनल कोयर प्रतियोगिता एक बड़े राजनीतिक विवाद में घिर गई है। ताइवान ने इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में चीन द्वारा राजनीतिक दबाव डालने पर कड़ा विरोध जताया है। ताइवान का आरोप है कि चीन के हस्तक्षेप के बाद आयोजकों को उनके देश का झंडा हटाना पड़ा और नाम बदलकर चाइनीज-ताइपेई कर दिया गया। इस घटना से न केवल कलाकारों की भावनाएं आहत हुई हैं, बल्कि सांस्कृतिक मंच पर राजनीतिक दखल की आलोचना भी तेज हो गई है।

प्रतियोगिता में ताइवान के छह कोयर ग्रुप शामिल थे, जिनमें स्कूली बच्चों से लेकर वयस्क कलाकार शामिल थे। आयोजकों पर चीन के अधिकारियों ने दबाव डाला कि ताइवान का नाम बदलकर चाइनीज-ताइपेई किया जाए और राष्ट्रीय ध्वज हटाया जाए। ताइवान के प्रतिनिधि कार्यालय को शनिवार शाम इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद एक विधायक को इस मुद्दे पर आयोजकों से बातचीत के लिए भेजा गया।जापान के सांसद केइजी फुरुया ने ताइवान की तरफ से आयोजकों से बात की और उसका पक्ष रखा। लेकिन आयोजकों ने अंततः चीन के दबाव में आकर सभी झंडे हटा दिए और नाम बदल दिए।

दक्षिण कोरिया सरकार ने बातचीत का भेजा प्रस्ताव, किम जोंग उन की बहन बोली- कोई दिलचस्पी नहीं

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने दक्षिण कोरिया की नई सरकार के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, जिसमें उसने दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए बातचीत की पेशकश की थी। किम जोंग की बहन ने इस प्रस्ताव को सोमवार को खारिज करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत करने में कोई रुचि नहीं है, चाहे उसका प्रतिद्वंद्वी कोई भी प्रस्ताव क्यों न पेश करे। किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग की इन टिप्पणियों से फिर से यह स्पष्ट होता है कि उत्तर कोरिया का निकट भविष्य में दक्षिण कोरिया व अमेरिका के साथ किसी भी प्रकार की कूटनीतिक बातचीत करने का कोई इरादा नहीं है।

उत्तर कोरिया इस समय रूस के साथ अपने बढ़ते सहयोग पर अधिक ध्यान दे रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर उत्तर कोरिया को लगता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त होने के बाद भी वह रूस के साथ अपने संबंधों को

पहले जैसा नहीं रख पाएगा तो वह अपना रुख बदल सकता है। दक्षिण कोरिया के सरकारी मीडिया की ओर से जारी बयान में किम यो जोंग ने कहा, 'हम एक बार फिर आधिकारिक रुख स्पष्ट करते हैं कि सियोल में चाहे कोई भी नीति अपनाई जाए और कोई भी प्रस्ताव रखा जाए, हमें उसमें कोई रुचि नहीं है। न ही उनसे मिलने का कोई कारण है और न ही चर्चा करने के लिए कोई मुद्दा है।'

ली जे-म्युंग सरकार की क्या नीति

यह दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की सरकार की नीति के बारे में उत्तर कोरिया का पहला आधिकारिक बयान है। ली जे-म्युंग जून की शुरुआत में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति बने थे। उत्तर कोरिया के साथ तनावपूर्ण रिश्तों को सुधारने के लिए राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इस बीच, खबर है कि उत्तर कोरिया ने चोई ह्योन-श्रेणी के अपने तीसरे जंगी पोत के निर्माण का काम शुरू कर दिया है जिसे अगले साल अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। यह पोत देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन के उस संकल्प के तहत है जिसमें उन्होंने देश की लंबे समय से उपेक्षित नौसेना को ताकतवर बनाने के लिए हर साल बड़े पोत बनाने का निश्चय किया है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि देश के पश्चिमी तट पर स्थित नाम्फो शिपयार्ड में निर्माण कार्य की शुरुआत के लिए समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कई शीर्ष अधिकारी शामिल हुए।

भारत की मदद के लिए मोहम्मद यूनुस ने कहा धन्यवाद, डॉक्टर्स से बोले- आपका दिल बहुत बड़ा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भारतीय डॉक्टर्स समेत 21 विदेशी फिजिशियन और नर्सों की टीम की जमकर तारीफ की। रविवार को मोहम्मद यूनुस ने स्टेट गेस्ट हाउस में विदेशी डॉक्टर्स की मेडिकल टीम से मुलाकात की और उनकी सेवा के लिए धन्यवाद दिया।

बीती 21 जुलाई को बांग्लादेशी वायु सेना का एक लड़ाकू विमान ढाका में एक स्कूल और कॉलेज कैंपस के बीच क्रैश हो गया था। इस विमान हादसे में 27 लोगों की मौत हो गई थी और 170 से ज्यादा घायल थे। इनमें अधिकतर छात्र थे। हादसे के बाद अंतरराष्ट्रीय मेडिकल टीम ने ढाका पहुंचकर हादसे में घायल लोगों के इलाज में मदद की। इस विदेशी डॉक्टर्स की टीम में चीन, सिंगापुर और भारत के डॉक्टर्स और नर्से शामिल रहीं। डॉक्टर्स से मुलाकात में मोहम्मद यूनुस ने उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि ये टीम न सिर्फ अपनी स्किल के साथ बांग्लादेश आई बल्कि अपने बड़े दिल के साथ भी आई। इनकी मौजूदगी से न

सिर्फ साझा मानवता की पुष्टि हुई है बल्कि इस संकट के समय में वैश्विक साझेदारी का मूल्य भी पता चला है।

इस मेडिकल टीम में दस सदस्य सिंगापुर के, आठ चीन के और चार भारत से गए विशेषज्ञ शामिल रहे। हादसे में जलने से घायल हुए लोगों की मदद में इस टीम ने काफी मदद की। मोहम्मद यूनुस के स्वास्थ्य मामलों के सलाहकार प्रोफेसर सैयदुर रहमान ने कहा कि विशेषज्ञों की इस टीम की मदद से कई जिंदगियां बचाने में मदद मिली। बांग्लादेश की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम ने भी विदेशी डॉक्टर्स की इस टीम से मुलाकात की और उनके काम और उनकी मदद की जमकर तारीफ की। मोहम्मद यूनुस ने डॉक्टर्स की इस टीम से अपील की कि वे बांग्लादेश के साथ संपर्क बनाए रखें और बांग्लादेश को स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर बनाने में मदद करें। इस दौरान चीन और सिंगापुर के राजदूत भी मौजूद रहे।

प्लेन क्रैश में 31 लोग मारे गए

राजधानी ढाका में 21 जुलाई को वायुसेना का एक ट्रेनी विमान माइलस्टोन स्कूल पर क्रैश हो गया था। हादसे में 31 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 28 छात्र, 2 स्कूल स्टाफ और पायलट शामिल हैं। इसके अलावा 165 घायल हुए। इनमें से 78 की हालत गंभीर है। क्रैश हुआ फाइटर जेट चीन में बना एफ-7बीजीआई था। हादसा सोमवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ। उस समय स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे। बांग्लादेशी सेना ने कहा- दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने विमान को आबादी से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह माइलस्टोन स्कूल कैम्पस से टकरा गया।

सीरिया में संसदीय चुनावों की तारीख की घोषणा, 15-20 सितंबर के बीच होंगे

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में संसदीय चुनावों की घोषणा कर दी गई है। चुनाव 15 से 20 सितंबर के बीच होंगे। पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन के बाद पहली बार चुनाव होंगे। चुनाव प्रक्रिया के आयोजन के लिए नियुक्त निकाय के प्रमुख ने रविवार को चुनाव के संबंध में जानकारी दी।

जनसभा चुनावों की उच्च समिति के अध्यक्ष मोहम्मद ताहा अल-अहमद ने सरकारी समाचार एजेंसी सना को बताया कि चुनाव 15 से 20 सितंबर के बीच होंगे। ये चुनाव सीरिया के लिए इसलिए खास हैं, क्योंकि दिसंबर में विद्रोहियों के तेज हमले के बाद पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद का पतन हो गया था, जिसके बाद देश की नई सरकार के तहत ये पहले चुनाव होंगे।

210 में से एक तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति करेंगे नियुक्ति : सीरिया की संसद में कुल 210 सीटें हैं। इनमें से एक तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा खुद लोगों को नियुक्त करेंगे, जबकि बाकी सीटों पर चुनाव होंगे। एक साक्षात्कार में, चुनाव समिति के एक अन्य सदस्य हसन अल-दाघिम ने बताया कि निर्वाचित सीटों के लिए मतदान करने हेतु सीरिया के प्रत्येक प्रांत में एक निर्वाचक मंडल स्थापित किया जाएगा।

मार्च में अल-शरा द्वारा हस्ताक्षरित एक अस्थायी संविधान में एक जन समिति के गठन का आह्वान किया गया था, जो एक स्थायी संविधान के पारित होने और आम चुनाव होने तक अंतरिम संसद के रूप में कार्य करेगी। इस प्रक्रिया में वर्षों लग सकते हैं।

सांप्रदायिक हिंसा के बीच हुई चुनाव की घोषणा : चुनाव की ये घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी प्रांत स्वेदा में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद दमिश्क में धार्मिक और जातीय झगड़े तेज हो गए हैं। इस लड़ाई में सैकड़ों लोग मारे गए और सीरिया के युद्धोत्तर नाजुक संक्रमण के खतरे में पड़ गए। दो हफ्ते पहले सशस्त्र बेडौइन कबीलों और ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यकों के लड़ाकों के बीच हुए अपहरणों के बाद हिंसक झड़पें शुरू हो गईं।

भूख से बिलखते बच्चे, इजरायल की पसीजा दिल, गाजा में 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने की शुरुआत

गाजा, एजेंसी। इजरायल की सेना ने गाजा के तीन घनी आबादी वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने की शुरुआत कर दी है। यह कदम इस क्षेत्र में बढ़ती भुखमरी की चिंताओं मद्देनजर उठाया गया है। इजरायल 21 महीने से चल रहे युद्ध में अपने आचरण की वजह से अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना कर रहा है। इजरायली सेना ने कहा है कि वह बड़ी आबादी वाले गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी में सीमित समय के लिए युद्ध रोकेगी, ताकि मानवीय सहायता का दायरा बढ़ाया जा सके। यह रोक रविवार से शुरू होकर अगली सूचना तक हर दिन सुबह 10: 00 बजे से रात 8: 00 बजे तक रहेगी।

सेना के मुताबिक, वह सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित मार्ग बनाएगी। पहले ही गाजा में हवाई मार्ग से सहायता पहुंचाया है जिसमें आटा, चीनी और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री शामिल है।

खाद्य विशेषज्ञ महीनों से गाजा में भुखमरी के खतरे की चेतावनी दे रहे हैं क्योंकि इजरायल ने सहायता पर रोक लगा दी थी। उनका कहना है कि हमास अपने शासन को मजबूत करने के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं में गबन करता है। हालांकि, इस दावे के लिए कोई सबूत नहीं दिया गया है। हाल के दिनों में गाजा से कमजोर बच्चों की तस्वीरें सामने आई थीं, जिसके बाद इजरायल की वैश्विक आलोचना तेज हो गई। आलोचना करने वालों में उसके करीबी भी हैं और उन्होंने युद्ध और इससे उत्पन्न मानवीय त्रासदी को समाप्त करने का आह्वान किया है।

संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी ने सहायता प्रतिबंधों में ढील देने के कदमों का स्वागत किया, लेकिन कहा कि गाजा में जरूरतमंद सभी लोगों तक सामान पहुंचाने के लिए व्यापक युद्धविराम की आवश्यकता है। इजरायल ने स्पष्ट किया है कि वह अन्य इलाकों में हमास के खिलाफ अपना अभियान जारी रखे हुए है। इससे पहले, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजरायल के अलग-अलग हमलों में कम से कम 27 फलस्तीनी मारे गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक डॉ. मुनीर अल-बुर्श ने कहा, 'यह युद्धविराम तब तक निरर्थक रहेगा, जब तक यह जीवन बचाने का एक वास्तविक अवसर न बन जाए।'स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक ने कुपोषित बच्चों के इलाज में मदद के लिए चिकित्सा आपूर्ति और अन्य सामान पहुंचाने का आह्वान किया। बुर्श ने कहा कि इसमें देरी का मतलब और लोगों की मौत होगा। इजरायल का कहना है कि अगर हमास आत्मसमर्पण कर दे, हथियार डाल दे और क्षेत्र को छोड़ दे, तो वह युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार है। हालांकि, समूह ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है।

गिल एंड कंपनी ने किया भारतीय उच्चायोग का दौरा, गिफ्ट किए स्पेशल क्रिकेट बैट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने मंगलवार को लंदन में स्थित भारतीय उच्चायोग का दौरा किया। इस दौरान कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हस्ताक्षर किए हुए क्रिकेट बैट भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी और उप उच्चायुक्त सुजीत घोष को भेंट किए। शुभमन गिल ने बैट भारतीय उच्चायुक्त को सौंपा, जबकि गौतम गंभीर ने उप उच्चायुक्त सुजीत घोष को हस्ताक्षरित बैट दिया। बीसीसीआई ने टीम इंडिया की इस मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए लिखा, भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी और उप उच्चायुक्त सुजीत घोष को हस्ताक्षर किए हुए क्रिकेट बैट भेंट किए।

इस अवसर पर बोलते हुए गौतम गंभीर ने भारत और इंग्लैंड के क्रिकेट संबंधों के ऐतिहासिक महत्व को याद किया। उन्होंने कहा, इस हिस्से का दौरा करना हमेशा खास और चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि दोनों देशों के बीच क्रिकेट का इतिहास बहुत पुराना और यादगार है।

जब भी हम यूके आए हैं, हमें यहां के लोगों का भरपूर समर्थन मिला है।

उन्होंने आगे कहा, पिछले पांच हफ्ते दोनों टीमों के लिए काफी रोमांचक रहे हैं। जो क्रिकेट खेला गया, वह हर क्रिकेट प्रेमी के लिए गर्व का विषय है। दोनों टीमों ने हर मौके पर पूरी ताकत लगाई और हर रन के लिए लड़ीं। अब एक हफ्ता और बचा है। आखिरी जोर लगाना है, और देश को एक बार फिर गर्वित करना है। जय हिंद! यह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज है, जिसमें फिलहाल इंग्लैंड 2-1 से आगे है। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर हुए चौथे टेस्ट में रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के बीच 203 रन की साझेदारी की बदौलत भारत ने मैच ड्रॉ करा लिया। अब सीरीज का अंतिम और निर्णायक टेस्ट मैच गुरुवार से लंदन के 'द ओवल' मैदान पर खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए इस सीरीज में शुभमन गिल ने कप्तानी के अलावा बल्लेबाजी की जिम्मेदारियों को भी निभाया है। वह सीरीज में अब तक चार शतक के साथ सर्वाधिक रन बना चुके हैं।

बुकार्ड, रादुकानू और ओसाका कैनेडियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। युजिनी बुकार्ड ने मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को कैनेडियन ओपन में एमिलियाना अरांगो को तीन सेटों में 6-4, 2-6, 6-2 से शिकस्त दी। 2014 विंबलडन फाइनलिस्ट युजिनी इस महीने की शुरुआत में घोषणा कर चुकी थीं कि यह उनके करियर का अंतिम टूर्नामेंट होगा। पूर्व वर्ल्ड नंबर 5 बुकार्ड, इस टूर्नामेंट में बतौर वाइल्ड कार्ड खेल रही हैं। फिलहाल डब्ल्यूटीए में उनकी कोई रैंकिंग नहीं है। बुकार्ड ने पिछली बार 2023 में टूर-लेवल मेन ड्रॉ मैच खेला था। अब अगले दौर में उनका सामना 17वीं वरीयता प्राप्त बेलिंडा बेंचिच से होगा। दूसरे राउंड में मिली जीत यूजिनी बुकार्ड के करियर की 300वीं मैच जीत थी। बुकार्ड को उम्मीद है कि यह उनकी आखिरी जीत नहीं होगी। डब्ल्यूटीए आंकड़ों के मुताबिक, वह अब तक बेलिंडा बेंचिच के खिलाफ तीन में से एक भी मुकाबला अपने नाम नहीं कर पाई हैं। बुकार्ड ने जीत के बाद कहा, मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने किस तरह प्रतिस्पर्धा की। मैंने पूरे मैच के दौरान फोकस और संघर्ष किया। यह एक शारीरिक और मानसिक लड़ाई थी। मॉन्ट्रियल में सबके सामने खेलना वाकई अद्भुत था। इस बीच, एम्मा रादुकानू और नाओमी ओसाका ने पहले राउंड में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। रादुकानू ने नॉर्थ अमेरिकन समर हार्ड-कोर्ट सीजन की मजबूत शुरुआत को जारी रखते हुए रोमानिया की एलेना-गैब्रिएला रुसे को 6-2, 6-4 से हराया।

फिनलैंड के महेश तांबे ने बनाया सबसे तेज 5 विकेट लेने का रिकॉर्ड

राशिद खान को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। फ़िनलैंड टीम में भारतीय मूल के तेज गेंदबाज महेश तांबे ने तेलिन में इतिहास रच दिया जब उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में सबसे तेज पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। फ़िनलैंड के एस्टोनिया दौरे के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उन्होंने अपनी पहली नौ गेंदो में पांच विकेट लिए। पहले यह रिकॉर्ड बहरीन के जुनैद अजीज़ के नाम था, जिन्होंने 2022 में जर्मनी के खिलाफ 10 गेंदो में पांच विकेट लिए थे। टेस्ट खेलने वाले देशो और पूर्ण सदस्य टीमो में, अफ़ग़ानिस्तान के राशिद खान ने 2017 में आयरलैंड के खिलाफ 11 गेंदो में पांच विकेट लिए थे। फ़िनलैंड के कप्तान अमजद शेर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। तांबे ने पहला विकेट 17वें ओवर में साहिल चौहान के रूप में लिया। चौहान के नाम सिर्फ 27 गेंदो में सबसे तेज टी20 शतक लगाने का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने अगली ही गेंद पर मुहम्मद उस्मान का विकेट लिया। इसके बाद उन्होंने ओवर की आखिरी गेंद पर स्टीफन गूच को आउट किया। पहले गूच रिटायर्ड हर्ट होकर लौटे थे। फिर 19वें ओवर में तांबे ने रूपम बरुआ और प्रणय घीवाला के विकेट लिए।

टेस्ट के बाद टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने किया क्लीन स्वीप

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवां टी20 मैच तीन विकेट से अपने नाम किया। सेंट किट्स में खेले गए इस मुकाबले में जीत के साथ मेहमान टीम ने टी20 सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस दौरे की शुरुआत में तीन मुकाबलों की टेस्ट सीरीज खेली, जिसमें 3-0 से क्लीन स्वीप किया। इसके बाद मेहमान टीम ने पहले टी20 मैच को तीन विकेट से अपने नाम करने के बाद अगले मैच को आठ विकेट से जीता। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे मुकाबले को छह विकेट से जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद उसने चौथे मुकाबले को तीन विकेट से जीता। मेजबान वेस्टइंडीज के पास सम्मान बचाने का मौका था, लेकिन टीम इससे चूक गई। पांचवें टी20 मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज की टीम 19.4 ओवरों में 170 रन पर सिमट गई। टीम 64 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा चुकी थी। कप्तान शाई होप (9), ब्रैंडन किंग (11), कीसी कार्टी (1) और शेरफेन रदरफोर्ड (35) रन बनाकर पवेलियन लौट चुके थे।

यहां से शिमरोन हेटमायर ने जेसन होल्डर के साथ पांचवें विकेट के लिए 47 रन जोड़ते हुए टीम को संकट से उबारा। हेटमायर ने 31 गेंदों में 52 रन की पारी खेली, जिसमें तीन छक्के और तीन चौके शामिल रहे। जेसन होल्डर 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विपक्षी टीम की ओर से बेन ड्वारशुइस ने तीन विकेट अपने नाम किए, जबकि नाथन एलिस ने दो शिकार किए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 17 ओवरों में ही जीत दर्ज कर ली। टीम ने 60 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा दिए थे। यहां से कैमरून ग्रीन ने मिचेल ओवन के साथ पांचवें विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाल लिया। कैमरून ग्रीन 18 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मिचेल ओवन ने 17 गेंदों में 37 रन जुटाए। आरोन हार्डी ने 25 गेंदों में 28 रन की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई। मेजबान टीम की तरफ से अकील हुसैन ने सर्वाधिक तीन शिकार किए, जबकि अल्जारी जोसेफ और जेसन होल्डर ने दो-दो विकेट झटके।

काफा नेशंस कप

काफा नेशंस कप खेल सकता है भारत, ताजिकिस्तान-उजबेकिस्तान में होना है टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। ओमान को भी इसमें भाग लेने के लिये न्योता मिला है। टूर्नामेंट का पहला सत्र 2023 में हुआ था जिसमें ईरान विजयी रहा था। भारतीय टीम नए कोच के साथ इस टूर्नामेंट में उतर सकती है। भारतीय फुटबॉल टीम ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान में 28 अगस्त से आठ सितंबर के बीच काफा नेशंस कप खेल सकती है। चूंकि मलेशिया के विकल्प के तौर पर मध्य एशियाई फुटबॉल संघ ने भारत को खेलने का न्योता दिया है। आठ टीमों के टूर्नामेंट से मलेशिया ने खिलाड़ियों की उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स का हवाला देकर 15 जुलाई को नाम वापिस ले लिया था। यह टूर्नामेंट फीफा की अंतरराष्ट्रीय विंडो में नहीं पड़ता जो एक से नौ सितंबर के बीच है।

ओमान को भी इसमें भाग लेने के लिये न्योता मिला है। टूर्नामेंट का पहला सत्र 2023 में हुआ था जिसमें ईरान विजयी रहा था। समझा जाता है कि एआईएफएफ ने न्योता स्वीकार कर लिया है, लेकिन आयोजकों की ओर से अंतिम पुष्टि का इंतजार है। एआईएफएफ के एक अधिकारी ने कहा, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन हम इंतजार कर रहे हैं।

अगर भारत खेलता है तो नए मुख्य कोच के साथ यह पहला टूर्नामेंट होगा। नए कोच की नियुक्ति एक अगस्त को होने वाली है। इस टूर्नामेंट में ईरान, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान, किर्गीस्तान और तुर्कमेनिस्तान भाग ले रहे हैं।

ऐसे क्लब से जुड़ना चाहता था, जो टॉप-3 में शामिल हो: फ्लोरियन विर्ट्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रीमियर लीग 2025-26 सीजन से पहले फ्लोरियन विर्ट्ज ने लिवरपूल में अपने ट्रांसफर को लेकर बताया कि यह उनके लिए एक आसान फैसला था। विर्ट्ज ने खुलासा किया है कि वह उस क्लब का हिस्सा बनना चाहते थे, जो दुनिया के शीर्ष तीन क्लबों में शुमार है। लिवरपूल एफसी ने बायर लेवरकूजन से विर्ट्ज को साइन किया। 22 वर्षीय मिडफील्डर ने रेड्स के साथ लॉन्ग-टर्म कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किया है। अब वह अपने पूर्व लेवरकूजन साथी जेरेमी फ्रिमपोंग के साथ दोबारा एक ही टीम में खेलते नजर आएंगे। विर्ट्ज ने जियो हॉटस्टार पर कहा, मैं बहुत खुशी और गर्व महसूस कर रहा हूं। आखिरकार वह पल आ ही गया, जिसका मैं लंबे समय से इंतजार कर रहा था। मुझे लगा कि मेरे करियर में यह अगला कदम उठाने का सही समय है। मैं एक ऐसे क्लब से जुड़ना चाहता था, जो दुनिया के शीर्ष तीन क्लबों में शामिल हो। मेरी नजर में लिवरपूल उनमें से एक है। उन्होंने कहा, मैंने खुद को लिवरपूल में सबसे सुरक्षित और बेहतर हाथों में पाया।

एडम जम्पा ने टी20 क्रिकेट में लगाया शतक, ये कारनामा करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलिया खिलाड़ी बनें

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के अनुभवी लेग स्पिनर एडम जम्पा ने अपने करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है. उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 29 जुलाई 2025 को खेले गए पांचवें और अंतिम ज्ञ20 इंटरनेशनल मुकाबले में अपना 100वां टी20 इंटरनेशनल मैच खेला. जम्पा ऑस्ट्रेलिया के लिए यह मुकाम हासिल करने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं. हालांकि, जम्पा का यह 'शतक' बल्ले से नहीं बल्कि मैदान पर लगातार प्रदर्शन से आया है. 2016 में डेब्यू करने वाले इस स्पिनर ने पिछले एक दशक में खुद को ऑस्ट्रेलिया की टी20 गेंदबाजी की रीढ़ साबित किया है.

100 टी20 खेलने वाले ऑस्ट्रेलिया के चौथे खिलाड़ी - एडम जम्पा से पहले ग्लेन मैक्सवेल (121 मैच), डेविड वॉर्नर (110 मैच) और एरॉन फिंच (103 मैच) ही यह शानदार उपलब्धि हासिल कर पाए हैं. जम्पा अब तक 100 मैचों में 125 विकेट अपने नाम कर चुके हैं. उन्होंने ये आंकड़ा 99 पारियों में हासिल किया है.

अपने 100वें मैच में कैसा रहा प्रदर्शन - वेस्टइंडीज के खिलाफ जम्पा ने 3 ओवर गेंदबाजी की और 21 रन देकर 1 विकेट झटका. उन्होंने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को आउट कर अपना 100वां मैच और भी यादगार बना दिया.

टी20 में जम्पा के आंकड़े - अब तक एडम जम्पा ने 100 टी20 इंटरनेशनल मैचों की 99 पारियों में 125 विकेट चटकाए हैं. उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/19 का रहा है. उन्होंने अब तक 2 बार 4 विकेट और 1 बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया है. उनका इकोनॉमी रेट 7 से नीचे (6.96) रहना बताता है कि वो रन रोकने में भी माहिर हैं.

टी20 करियर में जम्पा के आंकड़े

मैच- 100
पारियां- 99
विकेट- 125
औसत- 21.70
इकोनॉमी- 6.96
बेस्ट बॉलिंग- 5/19
4 विकेट- 2 बार
5 विकेट- 1 बार

वेस्टइंडीज सीरीज में जम्पा का जलवा -

5 मैचों की टी20 सीरीज में जम्पा सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं. उन्होंने 8 विकेट लेकर गेंद से शानदार कमाल दिखाया है. उनका बेस्ट प्रदर्शन 3/29 का है. इस सीरीज के जरिए उन्होंने फिर साबित कर दिया कि बड़े मौकों पर उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

मेरे बेटे को ऋषभ पंत की जगह दो, वाशिंगटन सुंदर के पिता ने गंभीर-अगरकर पर जमकर हमला बोला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के पिता एम. सुंदर ने भारतीय सेलेक्टर्स पर तीखा हमला किया और अपने बेटे को लगातार मौके न मिलने पर निराशा जाहिर की। वाशी के पिता का ये रिएक्शन ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में वाशिंगटन के शानदार प्रदर्शन के बाद आई है, जहां इस ऑलराउंडर ने अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा और इंग्लैंड के खिलाफ मैच को ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। वाशी के पिता ने बात करते हुए कहा कि वाशिंगटन लगातार बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन लोग उसके प्रदर्शन को नजरअंदाज कर देते हैं और भूल जाते हैं। दूसरे खिलाड़ियों को नियमित तौर पर चांस मिलते हैं सिर्फ मेरे बेटे को ही नहीं मिलता। उन्होंने आगे कहा कि वाशिंगटन को लगातार पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, जैसा उसने चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में किया था और उसे लगातार पांच से दस मौके मिलने चाहिए। हैरानी की बात है कि मेरे बेटे को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए नहीं चुना गया। चयनकर्ताओं को उसके प्रदर्शन पर नजर रखनी चाहिए।

आपको बता दें कि टेस्ट में भारत के लिए नंबर 5 पर ऋषभ पंत बैटिंग करते हैं ऐसे में वाशी के पिता का ये डिमांड किस हद तक जायज है ये भी बड़ा सवाल है।

शुभमन गिल को डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड तोड़ने के 4 बार मिलेंगे मौके, इंग्लैंड से 5वें टेस्ट में ऐसे होगा हैरतअंगेज कमाल!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. उन्होंने अब तक खेले 4 टेस्ट की 8 पारियों में 722 रन बनाए हैं. और, देखा जाए तो डॉन ब्रैडमैन का 95 साल पुराना टेस्ट रिकॉर्ड भी ज्यादा दूर नहीं है. आखिरी टेस्ट में 2 बेहतरीन पारियां शुभमन गिल को वहां पहुंचा सकती हैं, जहां उनसे पहले आज तक कोई नहीं पहुंचा. डॉन ब्रैडमैन को पीछे कर वो किसी एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं. कमाल की बात ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर खेले जाने वाले आखिरी टेस्ट में शुभमन गिल एक नहीं बल्कि 4 बार डॉन ब्रैडमैन को पीछे छोड़ते दिख सकते हैं. ये हैरतअंगेज कमाल होगा कैसे, आइए जानते हैं.

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक सीरीज में सबसे ज्यादा 974 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन के नाम है. इस रिकॉर्ड को उन्होंने साल 1930 में इंग्लैंड की जमीन पर खेली एशेज सीरीज में बनाया था. शुभमन गिल 95 साल से कायम इस रिकॉर्ड को तोड़ने से 253 रन दूर हैं. इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के आखिरी टेस्ट में वो ये कारनामा कर सकते हैं. शुभमन गिल ने ऐसा किया तो ओवल टेस्ट में कुल 4 बार डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड तोड़ते दिखेंगे.

शुभमन गिल 4 बार तोड़ेंगे ब्रैडमैन का रिकॉर्ड - 974 रन एक टेस्ट सीरीज में किसी बल्लेबाज के बनाए अब तक के सबसे ज्यादा रन हैं. डॉन ब्रैडमैन ने ये रन बनाए थे मगर, शुभमन गिल को उसने

तोड़ने तक पहुंचने से पहले डॉन ब्रैडमैन के ऐसे ही 3 और रनों के पहाड़ से दो-चार होना पड़ेगा. डॉन ब्रैडमैन ने साल 1934 में खेली एशेज सीरीज में इंग्लैंड की जमीन पर ही 758 रन बनाए थे. इससे पहले 1931-32 में साउथ अफ्रीका की टीम जब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आई थी तो डॉन ब्रैडमैन ने उसमें 806 रन बनाए थे. फिर जब 1936-37 में इंग्लैंड की टीम एशेज खेलने ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर आई तो डॉन ब्रैडमैन ने उस सीरीज में 5 टेस्ट की 9 पारियों में 810 रन जड़े थे. बेशक, शुभमन गिल को डॉन ब्रैडमैन के 974 रनों की दीवार लांघनी है. दुनिया भर के क्रिकेट फैंस भी उन्हें ऐसा ही करते देखना चाहेंगे. लेकिन, जब वो ऐसा कर रहे होंगे तो डॉन ब्रैडमैन के 3 और रिकॉर्डों को भी तोड़ रहे होंगे.मतलब, इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर खेले जाने वाले आखिरी टेस्ट में वो खेलेंगे तो 2 ही पारी मगर वो 4 बार ब्रैडमैन के रनों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए दिख सकते हैं.

इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल - शुभमन गिल ने फिलहाल 4 टेस्ट की 8 पारियों में 722 रन 90.25 की औसत से बनाए हैं, जिसमें 4 शतक शामिल हैं. अगर उनकी बाकी 4 इनिंग फीकी नहीं रहती तो वो ब्रैडमैन के वर्ल्ड रिकॉर्ड वाले 974 रन के आंकड़े को तोड़ने के और करीब होते. लेकिन, अभी भी मौका है. देखना दिलचस्प रहेगा कि एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रनों की रेस में खुद से 4 बार आगे खड़े ब्रैडमैन को वो कितनी बार पीछे छोड़ते हैं. एक, दो, तीन या फिर पूरे 4 बार ऐसा कर वो 95 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हैं।

बकावंड जनपद में पंचायती लोकतंत्र पर संकट: सामान्य सभा बैठक का बहिष्कार, अध्यक्ष-उपाध्यक्ष की कार्यशैली पर सवाल

स्थानीय नागरिकों में भी असंतोष

बकावंड/मूक पत्रिका

बकावंड जनपद पंचायत में बीते बुधवार को प्रस्तावित सामान्य सभा बैठक भारी असहमति और बहिष्कार की भेंट चढ़ गई। तय समय पर आयोजित इस बैठक में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित कुल 02 ही सदस्य उपस्थित रहे, जिससे ह्लक्शह्लक्व न पूर्ण होने के कारण बैठक स्थगित करनी पड़ी। इस घटनाक्रम ने जनपद की सक्रियता और पंचायती व्यवस्था के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया गया कि यह बैठक जनपद पंचायत के प्रशासनिक और विकासात्मक कार्यों की समीक्षा, प्रस्ताव पारित करने और सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए रखी गई थी, लेकिन अधिकांश निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने या तो उपस्थिति दर्ज नहीं कराई या फिर जानबूझकर बैठक से दूरी बनाए रखी। स्थानीय स्तर पर इसे एक ÷एकतरफा बहिष्कार÷ की संज्ञा दी जा रही है।

चुनाव के सिर्फ 4 महीने बाद ही निष्क्रियता उजागर-जनपद पंचायत के चुनाव हुए अभी चार महीने ही बीते हैं, लेकिन अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की निष्क्रियता और संगठनात्मक विफलता अब खुलकर सामने आने लगी है। आरोप है कि वे न तो जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय बना पा रहे हैं, न ही पंचायत के कार्यों को गति दे पा रहे हैं। इस कारण जनपद सदस्यों में नाराजगी बढ़ रही है और पारदर्शिता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

लोकतंत्र को लगा झटका, क्या अगली बैठक होगी सफल?-इस बैठक का बहिष्कार केवल प्रशासनिक असफलता नहीं, बल्कि पंचायती लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों पर भी गंभीर आघात है। यदि यही रुख रहा तो आगामी पांच वर्षों के कार्यकाल में जनपद पंचायत का विकास कार्य बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। अब निगाहें अगली प्रस्तावित बैठक पर टिकी हैं-क्या उसमें जनप्रतिनिधि सामूहिक भागीदारी देंगे या एक बार फिर बहिष्कार की पुनरावृत्ति होगी?

स्थानीय नागरिकों में भी असंतोष-इस घटनाक्रम से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में भी गहरा असंतोष है। लोगों का मानना है कि पंचायत प्रतिनिधियों को जनभावनाओं का सम्मान करना चाहिए और बैठकों में शामिल होकर अपनी भूमिका निभानी चाहिए। जनता ने जिन्हें अपना प्रतिनिधि चुना है, उनसे वह जवाबदेही और सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा रखती है। अब सवाल यह है कि क्या बकावंड जनपद पंचायत अपने कार्यों को पटरी पर ला पाएगी, या यह शुरुआत ही पूरे कार्यकाल की दिशाहीनता का संकेत है? जनप्रतिनिधियों को जल्द ही यह निर्णय लेना होगा कि वे पंचायत की प्रतिष्ठा को प्राथमिकता देंगे या राजनीतिक खींचतान में जनहित को ताक पर रखेंगे।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड: बीजापुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, PWD के पांच अधिकारी गिरफ्तार

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पीडब्ल्यूडी विभाग के पांच अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अधिकारियों में दो सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता (ईई) भी शामिल हैं। सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

गिरफ्तार अधिकारी इस प्रकार हैं:

-डीआर साहू (सेवानिवृत्त ईई)

- वीके चौहान (सेवानिवृत्त अभियंता)-एचएन पात्र (कार्यपालन अभियंता)-प्रमोद सिंह कंवर (एसडीओ, बीजापुर)-संतोष दास (उप अभियंता)

घटना की पृष्ठभूमि-पत्रकार मुकेश चंद्राकर 1 जनवरी 2025 की शाम से लापता थे। 2 जनवरी को रात 8 से 8:30 बजे के बीच उनके बड़े भाई युकेश चंद्राकर ने पत्रकार साथियों के साथ थाना पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारी सक्रिय हो गए। तत्काल सायबर सेल व विशेष टीम गठित कर खोजबीन शुरू की गई।

मोबाइल लोकेशन और सर्च ऑपरेशन-पुलिस ने मुकेश के मोबाइल नंबरों की लोकेशन खंगाली, जो नूकनपाल और जांगला जैसे इलाकों में मिली। बाद में उनके भाई द्वारा साझा किए गए जीमेल लोकेशन के आधार पर चट्टानपारा स्थित सुरेश चंद्राकर के बाड़े की तलाशी ली गई। यहां सेप्टिक टैंक पर नए फ्लोरिंग का शक हुआ।

शव की बरामदगी और सीडीआर का खुलासा-कई घंटों की तलाशी और पूछताछ के बाद पुलिस ने पाया कि मुकेश की आखिरी बातचीत रितेश चंद्राकर से हुई थी। बाद में पता चला कि रितेश 2 जनवरी को ही रायपुर एयरपोर्ट से दिल्ली रवाना हो गया था। पुलिस को संदेह गहराया और जांच की दिशा बदल गई। दिनेश चंद्राकर को 3 जनवरी की सुबह जिला अस्पताल से हिरासत में लिया गया, जहां सख्ती से पूछताछ के बाद उसने खुलासा किया कि रितेश चंद्राकर और महेन्द्र रामटेके ने मिलकर मुकेश की हत्या की और शव को सेप्टिक टैंक में छुपा दिया। दिनेश ने सबूतों को नष्ट करने और शव को छिपाने में मदद की थी।

हत्या की वजह और साजिश-जांच में सामने आया कि मुकेश चंद्राकर, जो रिश्ते में आरोपियों का ही संबंधी था, उनके ठेका कार्यों में हो रही अनियमितताओं की रिपोर्टिंग कर रहा था। इससे संबंधित विभागों में जांच शुरू हो गई थी। इसी नाराजगी के चलते सुरेश चंद्राकर ने अपने भाइयों रितेश व दिनेश और सुपरवाइजर महेन्द्र के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

1 जनवरी की रात बाड़े के कमरे नंबर 11 में लोहे की रॉड से मुकेश की हत्या कर दी गई। शव को सेप्टिक टैंक में डालकर फ्लोरिंग कर दी गई। साक्ष्य मिटाने के लिए उनके मोबाइल फोन भी तोड़कर नदी में फेंक दिए गए।

जनदर्शन में सुनी गई आवाज, अब चकरभाठा के धन सिंह को मिलेगा पक्का आवास

''जहां प्रशासन सुनता है, वहां उम्मीदें सच होती हैं''

मुंगेली /मूक पत्रिका

जहां प्रशासन सुनता है, वहां उम्मीदें सच होती हैं''। कभी बारिश की बूँदों से टपकती छत और दीवारों की सीलन से जूझते मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम चकरभाठा के निवासी धन सिंह आज एक नई उम्मीद के साथ भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। वर्षों से वे एक जर्जर और असुरक्षित कच्चे मकान में अपने परिवार के साथ जीवनयापन कर रहे थे। बरसात के मौसम में उनका घर किसी खतरे से कम नहीं था। टपकती छत, सीलनभरी दीवारें और जहरीले जीव-जंतुओं का डर हर दिन उनके जीवन को मुश्किल बना रहा था। इन विषम परिस्थितियों से निजात पाने के लिए उन्होंने जिले के जनसमस्या निवारण मंच ÷जनदर्शन÷ में अपनी गुहार लगाई। कलेक्टर कुन्दन कुमार के समक्ष प्रस्तुत आवेदन को न केवल गंभीरता से लिया गया, बल्कि प्रशासन द्वारा मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्परता से कार्यवाही भी की गई। परिणामस्वरूप, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत उन्हें तत्काल आवास स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। अब धन सिंह का वर्षों पुराना सपना साकार होने जा रहा है। एक पक्का, सुरक्षित और गरिमामय घर, जहां उनका परिवार निश्चिंत और सम्मानपूर्ण जीवन जी सके धन सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कलेक्टर कुन्दन कुमार और शासन-प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

निजी भूमि में स्टेडियम निर्माण 2006 से न्याय के लिए भटक रहा पीड़ित परिवार, कमिश्नर न्यायालय के आदेश के बावजूद कलेक्टर की हठधर्मिता

दोरनापाल का राय परिवार 20 वर्षों से जमीन पाने की आस में

सुकमा /मूक पत्रिका

आम जनता न्याय पाने के लिए दर बदर भटकने को मजबूर हो तो ऐसे कानून से विश्वास उठना लाजिमी है। ऐसा ही एक मामला सुकमा जिले के दौरान में मिंटू पद राय और उसके परिवारजनों पर घटित हुआ है। मिंटू पद राय परिवार वर्ष 2006 से 2021 तक न्याय पाने के लिए तहसील कार्यालय में कमिश्नर कार्यालय तक न्याय पाने लंबी लड़ लड़ी और कमिश्नर का आदेश भी आपा किंतु 2023 तक पीड़ित परिवार को कलेक्टर से न्याय नहीं मिल पाया। दोरनापाल नगर पंचायत में 2006 में मोटुपद राय के ग्राम दोरनापाल तहसील कोन्टा जिला सुकमा स्थित भूमि खसरा क्रमांक 118/3 रकबा 0.176, खसरा क्रमांक 124/294/2 रकबा 0.292 एकड़ में स्टेडियम का निर्माण किया गया है जिसके एवज में जासन के नियम अनुसार मुआवजा नहीं दिए । इस मामले में अपीलार्थी द्वारा मुछ।मंत्री, छत्तीसगढ़ खसन के समक्ष जनदर्शन के दौरान इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया कि उक्त भूमि पर शासन के द्वारा स्टेडियम निर्माण किया गया है, जिसके पूर्व उन्हें सूचना नहीं दी गई। कमिश्नर ने अपने आदेश में कहा कि निर्माण हेतु सर्वप्रथम शासकीय अधिकारियों द्वारा स्थल का चयन किया जाना है, यदि उप चयनित स्थल में किसी प्राईवेट व्यक्ति के स्वामित्व को भूमि आती है तो उसे अधिग्रहण के माध्यम से अधिग्रहित की जाती हैं। यदि अधिग्रहण की कार्यवाही के दौरान कोई व्यक्ति जिसकी भूमि अधिग्रहित की जाने वाली है तो अपनी अधिग्रहित को जाने वाली जमीन के बदले अन्य जमीन या शासकीय जमीन बदली का आवेदन देकर अदला बदली करा सकता है।कमिश्नर ने स्पष्ट रूप से कहा कि अपीलार्थी ने कलेक्टर सुकमा के समक्ष आवेदन पेश किया था तथा अनुविभागीय अधिकारी (0) को ने दिनांक 22-11-2014 को तहसीलदार के प्रतिवेदन से सहमत होते हुए अनुसा के साथ प्रकरण कलेक्टर सुकमा को 10-04-2015 को प्रेषित किया उत्पक्षात कलेक्टर सुकमा ने दिनांक 26-09-2015 पुनः विस्तृत जांच हेतु अनुविभागीय अधिकारी (10) कोल्दा को उस प्रकरण में विस्तृत जांच कार्यवाही करते हुए प्रकरण जो विवादित आदेश पारित किया है जोकि न्यायसंगत नहीं है। कमिश्नर ने आगे कहा कि तहसीलदार कोन्य, अनुविभागीय अधिकारी (20) कोटा एवं कलेक्टर सुकमा न्यायालय ने इस मामले की सम्पूर्ण कार्यवाही दिनांक 15-09-2014 से शुरू होकर दिनांक 04-09-2019 अविलम्ब कार्यवाही की गई है जिससे यह स्पष्ट होता है कि राजस्व अधिकारियों को अपीलार्थो को मानसिक रूप से प्रताडित करने के उद्देश्य से किया गया है। कमिश्नर ने अपने आगे कि पंकि में लिखा कि कलेक्टर जिला सुकमा अपीलार्थी को जांच प्रतिवेदन के बारे में कुछ भी नहीं लिखा गया है। अपीलार्थी का न्यायालयीन कथन दर्ज नहीं किया गया है और एक तरका त्रुटिपूर्ण आदेश पारित किया है जोकि अलाविधिसम्मत नहीं है। कमिश्नर ने कलेक्टर जिला सुकमा के आदेश को खारिज कर दिया ।कमिश्नर ने सुकमा कलेक्टर को आदेशित करते हुए कहा कि अपीलाथी से ली गई निजी भूमि के बदले में उसे अदला बदली के तहत प्रस्तावित भूमि दी जाये।

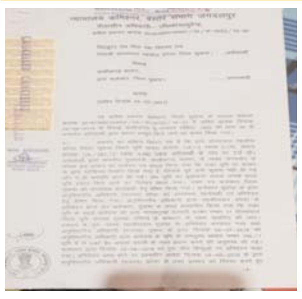

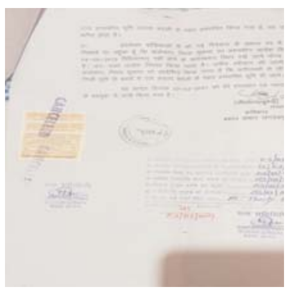

कमिश्नर का आदेश दो वर्ष पूर्व फिर भी नतीजा सिफर- 2021 में कमिश्नर ने कलेक्टर को आदेशित किया उसके बावजूद अभी 2025 प्रारंभ हो गया फिर भी मिंटूपद राय को जमीन आवंटित नहीं किया न ही कोई शासकीय प्रक्रिया के तहत् मुआवजा दिया गया जिससे सरासर कमिश्नर के आदेश की अवहेलना की गई।

प्रयोगशाला परिचालक भर्ती परीक्षा 03 अगस्त को, अभ्यर्थियों के लिए दिशा-निर्देश जारी

परीक्षार्थियों को 02 घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचना अनिवार्य

मुंगेली /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) रायपुर द्वारा प्रयोगशाला परिचालक (चतुर्थ श्रेणी) के पदों पर भर्ती के लिए प्रवेश परीक्षा 03 अगस्त को प्रातः 11 से दोपहर 01.15 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने परीक्षा के सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अभ्यर्थियों को व्यापम द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की समझाईश दी है। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित परीक्षाओं के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सफलतापूर्ण आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया गया है। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के पूर्व सभी परीक्षार्थियों की हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच के साथ ही हाथों से तलाशी ली जाएगी, जिसके लिए परीक्षार्थियों को कम से कम 02 घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचना अनिवार्य होगा, ताकि प्रवेश पत्र एवं पहचान पत्र की पूरी जांच समय पर हो सके। परीक्षा के दौरान हल्के रंग के आधी बाँह के कपड़े और चप्पल पहनना अनिवार्य होगा। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण पहनकर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश वर्जित है। इसके साथ ही घड़ी, पर्स, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व कोई भी संचार का साधन, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि साथ लाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश पत्र के साथ मूल पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्रायविंग लाईसेंस, मतदाता पहचान पत्र सहित अन्य कोई भी फोटोयुक्त पहचान पत्र लेकर आना अनिवार्य है।

नई दिल्ली मे अभिषेक बेनर्जी को प्रदान की गईं, डॉक्टरेट की मानद उपाधि

हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए अभिषेक को डॉक्टरेट की मानद उपाधि

नारायणपुर /मूक पत्रिका

नारायणपुर के युवा लेखक अभिषेक बेनर्जी को हिंदी लेखन,हिंदी भाषा में उत्कृष्ट पत्रकारिता एवं हिंदी साहित्य सृजन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ द्वारा नई दिल्ली के पश्चिम विहार मे स्थित रेडीशन ब्लू होटल मे आयोजित भव्य कार्यक्रम मे डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया,पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ देश के की उन संस्थाओं में से एक है जो विद्यावाचस्पति अर्थात डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान करती है,यह सम्मान उन्हें हिंदी भाषा की सेवा, पत्रकारिता की निष्पक्षता, और साहित्यिक अभिव्यक्तियों की नवीन ऊँचाइयों पर पहुँचाने के लिए दिया गया है।

नई दिल्ली मे सांसदों ने किया सम्मान -उपाधि मिलने के पश्चात् डॉ अभिषेक बेनर्जी को नई दिल्ली मे केंद्र सरकार में आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन लाल साहू ,बस्तर सांसद महेश कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग ने साल श्रीफल से सम्मानित कर बधाई दी व उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हिंदी भाषा के संरक्षण व संवर्धन के लिए रहूंगा समर्पित- डॉ. अभिषेक बेनर्जी -डॉ. अभिषेक बेनर्जी ने बताया पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ जैसी प्रतिष्ठित संस्था द्वारा मुझे डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान किया जाना, मेरे लिए केवल एक सम्मान हीं नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदारी है-ज्ञान, संस्कृति और समाज के प्रति अपनी भूमिका को और अधिक गंभीरता व समर्पण से निभाने की।यह उपाधि न केवल मेरी अब तक की यात्रा की एक स्वीकृति है, बल्कि एक प्रेरणा है कि मैं आगे भी हिंदी भाषा, भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन में समर्पित रहकर अपने योगदान को और अधिक प्रभावशाली बना सकूं, साथ हीं सभी शुभचिंतको का आभार व्यक्त करता हूँ ।

खपरी में निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

बलौदाबाजार /मूक पत्रिका

आयुष विभाग द्वारा मंगलवार को बलौदाबाजार विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत मेढ़ के आश्रित ग्राम खपरी में आयुष स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया गया। शिविर में 138 मरीजों का ईलाज किया गया जिसमें 53 मरीज होम्योपैथी एवं 85 आयुर्वेद चिकित्सा द्वारा ईलाज कर निःशुल्क दवाई का वितरण किया गया। मरीजों को सर्दी, खांसी,बुखार होना, नये पुराने रोग, वातरोग, उदररोग, अर्श, बवासीर, भगंदर, श्वासरोग, स्त्रीरोग, चर्मरोग, लकवा, पीलियां, पुराने टायफाईट, झिनझिनी, वातरोग, गैस्टींग, भूख न लगना, बाल झड़ना एवं पकना, नींद नहीं आना आदि बीमारियों का आयुर्वेदिक चिकित्सा पध्दति द्वारा दिनचर्या, ऋतुचर्या, रात्रिचर्या, योग व आसन आदि का पालन करके सेहत को बेहतर बनाने हेतु उपाय बताया गया। शिविर में डॉ.एल.एस. ध्रुव, डॉ.नेकदत्त बरतामसी, सावित्री योगी, सुशील जायसवाल, योगेन्द्र गेंडरे, भारत साहू, सरपंच मेढ़ श्रीमति सुषमा ध्रुव, उपसरपंच विजय साहू एवं स्कूल के प्रधान पाठक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने अधिसूचित फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी करने दिए निर्देश

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान: दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खरीदी हेतु बैठक आयोजित

मुंगेली /मूक पत्रिका

शासन द्वारा ''प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान'' अंतर्गत दलहन-तिलहन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी हेतु प्राइस सपोर्ट स्कीम लागू की गई है, इसके तहत खरीफ फसलों जैसे अरहर, मूंग, उड़द मूंगफली, सोयाबीन एवं रबी फसलों जैसे चना, मसूर, सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बीते बुधवार को जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने समितियों में अधिसूचित फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खाद दुकानों में की नियमित मॉनिटरिंग करें, किसानों को खाद के लिए किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने उक्त योजना के संबंध में किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित फसलों की खरीद हेतु किसानों से उत्पादन एवं प्रस्तावित समर्थन मूल्य पर पंजीयन कर प्रस्ताव तैयार करने के संबंध में चर्चा की गई। कृषि विभाग के उपसंचालक एम.आर. तिग्गा ने बताया कि इस योजना के तहत अरहर का समर्थन मूल्य 08 हजार रूपए, सोयाबीन 05 हजार 328 रूपए, मूंग 08 हजार 768 रूपए, उड़द 07 हजार 800 रूपए, मूंगफली 07 हजार 263 रूपए, चना 05 हजार 650 रूपए, मसूर 06 हजार 700 रूपए और सरसों का 05 हजार 950 रूपए समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 2025 के लिए 05 हजार से 15 हजार क्विंटल खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। किसानों को इस योजना का लाभ उठाने हेतु किसान पंजीकरण पोर्टल में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। बैठक में जिला विपणन अधिकारी संदीप शर्मा, सहायक खाद्य अधिकारी, छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाउस के सहायक प्रबंधक सुधाकर सिंह, नाफेड के सहायक प्रबंधक पी.के. द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आज ही जुडे हमारे राष्ट्रीय दैनिक अखबार
मूक पत्रिका एवं न्यूज नेटवर्क के साथ
||आवश्यकता||

राष्ट्रीय दैनिक मूक पत्रिका
निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...
छत्तीसगढ़ के संभाग/ जिला/ब्लॉक/ग्रामीण स्तर पर मिडिया मित्र

राष्ट्रीय दैनिक
मूक पत्रिका
MP National News
निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...
इच्छुक व्यक्ति जल्द सम्पर्क करें।
Contact No.+91 7999238079, 9770269285, 6267320220
Head Office : Press Road & Media HouseTelibandha Shyam Nagar Raipur Chhattisgarh-492001

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।